दैनिक

करंट क्राइम

www.currentcrime.com

सिर्फ सच...

दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली। शुक्रवार 28 नवम्बर -2025 | ● वर्ष : 10 अंक : 340 पेज-08 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

पीएम मोदी ने स्काईरूट के पहले रॉकेट विक्रम-1 से उठाया पर्दा

अंतरिक्ष सुधारों पर बात की

हैदराबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय अंतरिक्ष स्टार्टअप स्काईरूट के इन्फिनिटी परिसर का वर्चुअली उद्घाटन किया और सरकार के ऐतिहासिक अंतरिक्ष सुधारों पर प्रकाश डाला। उन्होंने पेलोड को पृथ्वी की कक्षा तक ले जाने वाले कंपनी के पहले रॉकेट विक्रम-1 का भी अनावरण किया, जिसमें उपग्रहों को कक्षा में प्रक्षेपित करने की क्षमता है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में सरकार के ऐतिहासिक अंतरिक्ष सुधारों का जिक्र किया और कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी व्यक्तियों के लिए खोलने के परिणामस्वरूप स्काईरूट और अन्य कंपनियां ऐसे इनोवेशन के साथ सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत के अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र में निजी क्षेत्र तेजी से उभर रहा है। उन्होंने कहा कि 300 से ज्यादा अंतरिक्ष स्टार्टअप इस क्षेत्र को नई उम्मीदें दे रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, इनफिनिटी कैंपस भारत की नयी सोच, इनोवेश और विशाल युवा शक्ति का प्रतिबिंब है। युवाओं का इनोवेशन, जोखिम उठाने की क्षमता और उद्यमिता नई ऊंचाइयों को छू रही है।

मोदी ने कहा कि आज देश का अंतरिक्ष क्षेत्र वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षक बन रहा है और भारत की निजी अंतरिक्ष क्षेत्र की प्रतिभा दुनिया भर में अपनी पहचान बना रही है। उन्होंने भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम की यात्रा का वर्णन उसके प्रारंभिक चरण- जहां रॉकेट के भागों को साइकिल पर ले जाया जाता था।

सीएम योगी ने भगवान पार्श्वनाथ जन्म कल्याणम् और नवनिर्मित गुफा मंदिर का लोकार्पण किया

कहा, 'भारत की ऋषि-मुनि परंपरा ही विश्व मानवता को दिशा देती है'

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीएम नरेंद्र मोदी के '9 संकल्प' की भी याद दिलाई

सीएम योगी ने अध्यात्म, प्रकृति और सेवा को श्रेष्ठ समाज निर्माण का आधार बताया

गाजियाबाद, करंट क्राइम। मुरादनगर के बसंतपुर सेंतली स्थित तरुणसागरम् परिसर में गुरुवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भगवान पार्श्वनाथ जन्म कल्याणम् और 100 दिनों में निर्मित नवनिर्मित गुफा मंदिर का भव्य लोकार्पण किया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्यमंत्री द्वारा दीप प्रज्वलन से हुई, जिसके साथ ही पूरा परिसर धार्मिक आस्था, आध्यात्मिक ऊर्जा और सांस्कृतिक चेतना से भर उठा। मुख्यमंत्री का स्वागत जैन समाज द्वारा कमंडल, माला, चित्र और पगड़ी पहनाकर किया गया।

योगी ने अपने संबोधन में कहा कि इस पवित्र भूमि पर आकर भगवान पार्श्वनाथ तथा क्रांतिकारी संत तरुण सागर जी महाराज की स्मृतियों को नमन करना अत्यंत सौभाग्य का विषय है। उन्होंने कहा कि जैन परंपरा, तप, त्याग और आत्मशुद्धि का महामार्ग है, जो आज भी समाज को संयम, सत्य और करुणा का संदेश देता है।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। आईटीएस कॉलेज मुरादनगर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्वागत अधिवक्ता वीरेन्द्र सिंह कुशवाहा ने किया। मुख्यमंत्री का स्वागत करने वालों में एडवोकेट संदीप सिसौदिया और नवनीत पुंडीर भी मौजूद रहे। इस दौरान अधिवक्ताओं ने मुख्यमंत्री का अभिवादन किया।

भारत ने ही दुनिया को स्वच्छ, सभ्य और आध्यात्मिक जीवन दिया : योगी का संदेश

करंट क्राइम। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आध्यात्मिक उन्नयन के लिए स्वच्छ, सुरक्षित और सुसंस्कृत वातावरण अत्यंत आवश्यक है, और भारत ने यह मूल्य सदियों से दुनिया को दिए हैं। उन्होंने कहा— हमारी ऋषि–मुनि परंपरा केवल भारत की नहीं, बल्कि विश्व मानवीय सभ्यता का आधार है। इसे आत्मसात करने से ही मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है। मुख्यमंत्री ने जैन धर्म की शांतिपूर्ण परंपरा, अहिंसा और तप के संदेश को आज के सामाजिक ताने–बाने के लिए महत्वपूर्ण बताया।

योगी ने अपने संबोधन में विश्व नवकार महामंत्र दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 09 संकल्पों की याद दिलाई– (1) पानी का संरक्षण, (2) माँ के नाम एक पेड़, (3) स्वच्छता मिशन, (4) वोकल फॉर लोकल, (5) देश दर्शन, (6) प्राकृतिक खेती,(7) स्वस्थ जीवन शैली,(8) योग और खेल, (9) गरीब कल्याण। योगी ने कहा कि जैन समाज इन संकल्पों को जीवनशैली में ढालकर समाज को प्रेरित कर रहा है।

अनूठी तपस्या का उल्लेख–'557 दिनों की साधना, 496 दिन निर्जल उपवास'

करंट क्राइम। मुख्यमंत्री ने उपाध्याय मुनीश्री पीयूष जी महाराज और श्री प्रसन्ना जी महाराज की विलक्षण साधना का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका तप मानव क्षमता के सर्वोच्च आयामों का उदाहरण है। योगी ने कहा—यदि संकल्प दृढ़ हो तो पिंड में ही ब्रह्मांड समाया हुआ अनुभव होता है। यह भारतीय अध्यात्म की सबसे प्रखर परंपरा है। कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री ने मंदिर प्रांगण में पौधारोपण किया और कहा कि प्रकृति व जीव सेवा भाव ही श्रेष्ठ समाज निर्माण का आधार है।

जनप्रतिनिधियों और सामाजिक प्रतिनिधियों की उपस्थिति : कार्यक्रम में महापौर, विधायकगण, भाजपा महानगर अध्यक्ष, जैन समाज के वरिष्ठ सदस्य और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। पूरा परिसर आध्यात्मिक उल्लास और सांस्कृतिक गरिमा से भरा रहा।

जल संचय-जनभागीदारी रैंकिंग: सीएम ने किया मेयर सुनीता दयाल और नगरायुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक का उत्साहवर्धन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। जल संचय और जनभागीदारी के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के आधार पर गाजियाबाद नगर निगम को उत्तर प्रदेश में दूसरा और पूरे देश में पांचवां स्थान प्राप्त हुआ है। इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेयर सुनीता दयाल और नगरायुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक का उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम के दौरान मेयर और नगरायुक्त ने जल संरक्षण के क्षेत्र में निगम द्वारा हासिल स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति प्रमाण पत्र मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किए। मुख्यमंत्री ने दोनों अधिकारियों की टीमवर्क, योजनाओं की समयबद्ध क्रियान्वयन और जनता की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के प्रयासों की सराहना की।

नगर निगम द्वारा वर्षा जल संचयन को प्रोत्साहित करने, सामुदायिक स्तर पर सहभागिता बढ़ाने, पारिस्थितिक संरक्षण के लिए जागरूकता अभियानों, तथा शहरी क्षेत्रों में जल प्रबंधन को सुदृढ़ करने के लिए कई नवाचार किए गए हैं। इन्हीं प्रयासों के प्रभाव से गाजियाबाद को प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर यह महत्वपूर्ण स्थान मिला है।

नगर निगम ने बताया कि आगे भी शहर में जल संरक्षण के लिए और अधिक तकनीकी एवं जनसहभागिता आधारित योजनाएँ लागू की जाएँगी, ताकि गाजियाबाद को सतत जल प्रबंधन के मॉडल शहर के रूप में विकसित किया जा सके।

सांसद अतुल गर्ग बोले हाईकोर्ट बेंच होनी चाहिए यूपी में तीन

सभी दल एक साथ आयें और 250 किमी से अधिक दूर ना हो हाईकोर्ट बेंच

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट बेंच की मांग अधिवक्ता लगभग तीन दशक से कर रहे हैं। समय के साथ आबादी बढ़ी और न्यायालयों में मुकदमों की संख्या बढ़ी। कई बार ऐसे मामले होते हैं जिसमें वादी की आर्थिक स्थिति कमजोर होती है और जिसके चलते वह हाईकोर्ट तक जाने का खर्च वहन कर पाने की स्थिति में नहीं होता है। दो दिन पहले अधिवक्ताओं ने लोकसभा सांसद अतुल गर्ग को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट की बैंच की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। आमतौर पर अधिवक्ता अपनी मांगों को लेकर अक्सर जनप्रतिनिधियों से मिलते हैं, ज्ञापन देते हैं। यह सामान्य बात है। लेकिन अगर सांसद अतुल गर्ग जैसे विजन के मालिक हैं तो फिर यहां एक नया विचार आता है। लोकसभा सांसद बनने के बाद अतुल गर्ग एक ऐसे सांसद के रूप में उभर कर सामने आये हैं जिन्होंने आसमान की उड़ान से लेकर हाईवे की दिशा में काम किया। अब ज्ञापन उनके पास आया है तो ये तय है कि इस पर काम होगा। वो बड़े अधिकारियों से मिलेंगे और उस छोर तक जायेंगे जहां से समाधान होगा।

दैनिक करंट क्राइम ने जब सांसद अतुल गर्ग से इस विषय पर बात की तो उनका विजन सामने आया। उन्होंने कहा कि बिल्कुल पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट बेंच की स्थापना होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मामले में सबसे पहले तो सभी पार्टियों के नेताओं को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर आना होगा।

उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट बैंच की मांग को लेकर केवल भाजपा नहीं बल्कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और बसपा भी एक साथ आयें। यह राजनीतिक नहीं आम आदमी से जुड़ा मुद्दा है। यदि ऐसा हो जायेगा तो ये काम आसान हो जायेगा। लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि मेरा व्यक्तिगत रूप से मानना है कि हाईकोर्ट बेंच एक नहीं बल्कि तीन होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके पीछे लॉजिक ये है कि कोई भी वादी अपने केस के लिए सुबह घर से चले और शाम तक वापस लौट आये। यह दूरी किसी भी अवस्था में 250 किमी से अधिक नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल उत्तर प्रदेश में ही ऐसा है और देश के अन्य राज्यों में हाईकोर्ट बैंच को लेकर इस तरह से गठन किया गया है कि प्रदेश के किसी भी हिस्से से दूरी 250 किमी से अधिक नहीं बैठती। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में पहले से ही हाईकोर्ट की दो बेंच लखनऊ और इलाहाबाद में हैं। तीसरी बेंच की स्थापना गाजियाबाद, मेरठ, आगरा हो सकती है। सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि सबसे खास बात ये है कि हाईकोर्ट बेंच का मुद्दा बिजनेस नहीं न्याय है। उन्होंने कहा कि ये नौकरी, व्यवसाय, प्रोफेशन, बिजनेस का मामला नहीं है, ये आम आदमी से जुड़े न्याय का मामला है। अक्सर जब भी यहां हाईकोर्ट बेंच की आवाज आती है तो प्रयागराज से ये आवाज आती है कि अगर बेंच वेस्ट यूपी में चली गई तो यहां के अधिवक्ताओं के आर्थिक हितों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। लेकिन अब ये तय करना होगा कि आम आदमी के लिए न्याय सस्ता और सुलभ हो, इसकी प्राथमिकता होनी चाहिए। न्याय की दृष्टि से बेंच की स्थापना होनी चाहिए।

जिलाधिकारी का सख्त आदेश : बीएलओ से विभागीय काम लिया तो होगी एफआईआर

गाजियाबाद, करंट क्राइम। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 की धीमी प्रगति पर भारत निर्वाचन आयोग की नाराजगी के बाद जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ ने सभी विभागाध्यक्षों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा है कि बीएलओ के रूप में तैनात कर्मचारियों से किसी भी तरह का विभागीय काम न लिया जाए। शिकायत मिली तो संबंधित कार्यालयाध्यक्ष के खिलाफ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा-32 के तहत एफआईआर दर्ज कर निलम्बन की कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी के अनुसार कई विभाग बीएलओ से कार्यालय का कार्य लेकर पुनरीक्षण अभियान को प्रभावित कर रहे हैं। बीएलओ की प्राथमिकता केवल गणना प्रपत्र वितरण, संग्रह और मतदाता सूची अद्यतन ही होगी। उन्होंने दोहराया कि यदि बीएलओ को विभागीय कार्य में लगाया गया तो तुरंत कार्रवाई होगी और आयोग को इसकी सूचना भेजी जाएगी।

लिंग के भ्रूण की जांच करने वाला गिरफ्तार, मामला दर्ज

पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड मशीन और कैश बरामद

लोनी, करंट क्राइम। सीएमओ गाजियाबाद की टीम ने भ्रूण के लिंग की जांच करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि लोनी क्षेत्र में एक व्यक्ति गर्भवती महिलाओं से पैसे लेकर भ्रूण का लिंग बताने का काम कर रहा है। सूचना के आधार पर 26 नवंबर को छापेमारी की। इस दौरान मौके से आरोपी कमल कुमार (34), को पकड़ लिया गया।

अब विस्तार से पढ़िए पूरा मामला पुलिस ने उसके कब्जे से एक पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड मशीन, एक प्रोब, एक जैली ट्यूब, 8 हजार रुपए नकद और एक मोबाइल फोन बरामद किया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह प्रशांत विहार और आसपास के क्षेत्रों से गर्भवती महिलाओं को बुलाता था और भ्रूण का लिंग बताने के लिए 20,000 से 25,000 रुपए तक वसूलता था। यह भी पता चला कि आरोपी पहले भी इसी तरह के अपराध में थाना लोनी पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया जा चुका है।

हसीना को 21 साल जेल की सजा भ्रष्टाचार के मामलों में कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली। बांग्लादेश की एक अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को भ्रष्टाचार के तीन मामलों में 21 साल जेल की सजा सुनाई है। इससे पहले कोर्ट ने उनको फांसी की सजा सुनाई थी। 2024 के स्टूडेंट्स प्रोटेस्ट के दौरान मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को मौत की सजा सुनाई गई है, लेकिन इस फैसले के साथ एक बड़ी मुश्किल यह है कि हसीना बांग्लादेश में नहीं हैं। वे एक साल से ज्यादा वक्त से भारत में रह रही हैं। शेख हसीना उस ट्रिब्यूनल की पहुंच से बाहर जिसने उन्हें दोषी ठहराते हुए मौत की सजा सुनाई है।

हसीना को भारत से वापस ले जाने की पुरजोर कोशिश... : न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, जुलाई में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने हसीना को एक्सट्रैडाइट करने की ऑफिशियल कोशिशें शुरू कीं। अंतरिम एडमिनिस्ट्रेशन के फॉरेन अफेयर्स एडवाइजर, मोहम्मद तौहीद हुसैन ने कन्फर्म किया कि इंडियन अथॉरिटीज को एक फॉर्मल रिक्वेस्ट भेजी गई थी। प्रोसेस में देरी के बारे में सवालों का जवाब देते हुए हुसैन ने कहा, हमने एक लेटर भेजा है। अगर जरूरी हुआ तो हम फॉलो-अप करेंगे।

मोहम्मद यूनुस के प्रेस सेक्रेटरी शफीकुल आलम ने कहा था, अब हम रिपब्लिक ऑफ इंडिया से रिक्वेस्ट करते हैं कि वह अपने विवेक और नैतिक स्पष्टता के साथ काम करे। बहुत लंबे वक्त से, इंडिया ने शेख हसीना के एक्सट्रैडिशन के लिए बांग्लादेश की कानूनी रिक्वेस्ट मानने से मना कर दिया है।

इसके अलावा, इस साल अप्रैल में बैंकॉक में समिट के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक मीटिंग में, यूनुस ने इशारा किया कि भारत को उनसे उनकी सरकार की बुराई करना बंद करने के लिए कहना चाहिए।

बरेली के 15.84 लाख मतदाताओं के फॉर्म अपलोड 2003 की सूची में नहीं मिले 2.83 लाख के नाम

बरेली। बरेली जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में अब तक 15.84 लाख मतदाताओं के गणना प्रपत्र बीएलओ के पास वापस आ गए हैं। सर्वे के दौरान 2.83 लाख मतदाताओं या उनके सगे संबंधियों के नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची में नहीं पाए गए हैं। यानी 8.31 प्रतिशत वोटरों या उनके सगे-संबंधियों के नाम पुरानी सूची में नहीं हैं।

जिले में चार नवंबर से एसआईआर अभियान शुरू हुआ है। ये चार दिसंबर तक चलना है। अब तक आधे से भी कम मतदाताओं के गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन हो पाया है। मतदाता सूची में 18.21 लाख वोटर ऐसे हैं, जिनके गणना प्रपत्र अभी बीएलओ को वापस नहीं मिले हैं।

वर्तमान सूची में 34 लाख मतदाता

डीएम अविनाश सिंह ने बताया कि वर्तमान मतदाता सूची में वोटरों की संख्या 34 लाख है। 46.53 प्रतिशत वोटरों के गणना प्रपत्र डिजिटाइज हो गए हैं। जिले में मीरगंज विधानसभा क्षेत्र शीर्ष पर है। यहां 55.57 प्रतिशत डिजिटाइजेशन का कार्य बुधवार दोपहर 12.30 बजे तक हो गया। फरीदपुर, बरैली कैंट और बरेली नगर की स्थिति बेहतर नहीं है।

उन्होंने बताया कि 2.83 लाख मतदाताओं की मैपिंग नहीं हो पाई है। क्योंकि, वर्ष 2003 की मतदाता सूची में न तो इनका नाम हैं और न ही इनके माता-पिता का। गणना प्रपत्र वापस लेने और अनंतिम मतदाता सूची प्रिंट होने के बाद नौ दिसंबर को प्रकाशन होगा। इसके बाद बिना मैपिंग वाले मतदाताओं को प्रशासन नोटिस जारी करेगा।

नोटिस के जवाब में यदि मतदाता निर्वाचन आयोग से निर्धारित 11 विकल्पों में से कोई एक प्रस्तुत करते हैं तो उनका नाम वोटर लिस्ट में शामिल किया जाएगा। नोटिस का जवाब न मिलने पर संबंधित मतदाता का नाम वोटर लिस्ट से हटा दिया जाएगा।

बीएलओ को खोजे नहीं मिले 1.23 लाख मतदाता : उप जिला निर्वाचन अधिकारी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि बीएलओ के सर्वे के दौरान 1,23,421 मतदाता अपने घरों में नहीं मिले हैं। इसमें 46,992 वोटरों की मृत्यु हो चुकी है, जबकि शेष मतदाता दूसरे क्षेत्र में शिफ्ट होने या अन्य कारण से बीएलओ को खोजे नहीं मिले हैं।

एसआईआर फॉर्म भरने में पार्षद करेंगे सहयोग : मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में तेजी के लिए बुधवार को कलक्ट्रेट में जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश सिंह ने बरेली शहर और कैंट विधानसभा क्षेत्र के ईआरओ, एईआरओ, नगर निगम पार्षदों के साथ बैठक की।

धर्मेंद्र के निधन के बाद हेमा मालिनी ने किया याद भावुक पोस्ट में लिखा...रह गई अनगिनत यादें

मुंबई। प्रसिद्ध अभिनेत्री और सांसद हेमा मालिनी ने बृहस्पतिवार को अपने दिवंगत पति धर्मेंद्र को एक भावुक श्रद्धांजलि दी।

उन्होंने कहा कि धर्मेंद्र उनके लिए 'सब कुछ' थे, एक साथी, मार्गदर्शक और मित्र, जिनके निधन से एक अपूरणीय शून्य पैदा हो गया है।

सोमवार को धर्मेंद्र (89) के निधन के बाद अपनी पहली पोस्ट में हेमा मालिनी (77) ने उन्हें एक प्यार करने वाले पति, अपनी बेटियों ईशा और अहाना को स्नेह करने वाले पिता और एक ऐसे गर्मजोशी भरे व्यक्ति के रूप में याद किया, जो पूरे परिवार को प्रिय थे।

पुरानी तस्वीरें साझा करते हुए उन्होंने लिखा, धर्म जी मेरे लिए बहुत कुछ थे। प्यार करने वाले पति, हमारी दो बेटियों- ईशा और अहाना के स्नेही पिता, मित्र, दार्शनिक, मार्गदर्शक, कवि, जरूरत के समय मेरी मदद करने वाले- वास्तव में, वह मेरे लिए सब कुछ थे! वह अच्छे और बुरे समय में हमेशा मेरे साथ रहे।

हेमा मालिनी ने लिखा, उन्होंने अपने सहज, मिलनसार व्यवहार से मेरे परिवार के सभी सदस्यों का स्नेह जीता और हमेशा उन सबमें अपनापन और रुचि दिखाई। धर्मेंद्र के साथ 'शोले', 'सीता और गीता' तथा 'प्रतिज्ञा' जैसी कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों में काम कर चुकीं अभिनेत्री ने कहा कि उनके जाने से पैदा हुआ शून्य जीवनभर बना रहेगा।

उन्होंने कहा, वर्षों तक साथ रहने के बाद, मेरे पास कई खास पलों को फिर से जीने के लिए उनकी अनगिनत यादें रह गई हैं...।

अब लंबे रूट पर भी देवी बस चलाने की तैयारी, दिल्ली सरकार बना रही है योजना

दिल्ली। राजधानी में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था बड़े बदलाव के दौर से गुजर सकती है। यमुना पार सहित कई इलाकों से लगातार मिल रही बसों की अनुपलब्धता की शिकायतों ने सरकार को विकल्प तलाशने पर मजबूर कर दिया है। ऐसे में अब बड़ी 12-मीटर बसों के रूट पर देवी बसें यानी छोटी ई-बसें चलाने की तैयारी है। इससे यात्रियों को अतिरिक्त विकल्प मिलेगा और बसों की किल्लत को आंशिक रूप से दूर किया जा सकेगा। हालांकि, देवी बसों को लास्ट माइल कनेक्टिविटी के लिए संकरे क्षेत्रों में संचालित करने के लिए लाया गया है। यह बसें ऐसी जगहों पर चलाई जा रही हैं जहां पर डीटीसी की 12 मीटर लंबी बसें नहीं जा सकती हैं।

सूत्रों के अनुसार, सरकार इस दिशा में गंभीरता से विचार कर रही है और करीब 50 फीसदी देवी बसें बड़े रूटों पर तैनात करने का मॉडल तैयार किया जा रहा है। यह कदम इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि पूर्वी दिल्ली में बस रूटों के पुनर्निर्धारण के बाद से यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है। खासकर नई व्यवस्था को लेकर प्रचार-प्रसार की कमी और सड़कों से लगातार हट रहीं सीएनजी बसों के कारण दिक्कत आ रही है।

डीटीसी द्वारा पूर्वी दिल्ली में रूट रैशनलाइजेशन का काम पूरा किया जा चुका है जिसके तहत साल के अंत तक 692 सीएनजी बसें सड़कों से हट जाएंगी। इसके बाद यह मॉडल पश्चिमी और उत्तरी जोन में भी लागू किया जाएगा। अधिकारियों का दावा है कि 12-मीटर वाली बसों के किसी भी रूट को बंद नहीं किया जाएगा और भले ही फ्लीट कम हो, हर रूट पर कम से कम एक बस जरूर चलेगी।

रिश्तों का कत्ल : भाई ने की भाई की चाकू मारकर हत्या

मेरठ के ब्रह्मपुरी क्षेत्र में मकान बंटवारे के विवाद ने बड़ा रूप ले लिया, जहां छोटे भाई दीपक ने बड़े भाई सचिन वर्मा की चाकू मारकर हत्या कर दी। घायल सचिन ने अस्पताल में दम तोड़ा। पुलिस ने आरोपी को चाकू के साथ गिरफ्तार कर लिया है।

मेरठ। मेरठ के ब्रह्मपुरी थाना क्षेत्र की भगवतपुरा कॉलोनी में बुधवार रात दर्दनाक घटना सामने आई, जहां मकान बंटवारे के विवाद में छोटे भाई ने बड़े भाई की चाकू मारकर हत्या कर दी। मृतक 36 वर्षीय सचिन वर्मा सराफा कारीगर था। पुलिस ने आरोपी दीपक उर्फ कुक्की को गिरफ्तार कर हथियार बरामद कर लिया है।

विवाद बढ़ा, कहासुनी से हत्या तक पहुंचा मामला : पत्नी शिवानी की ओर से दर्ज एफआईआर के अनुसार, सचिन और दीपक के बीच मकान को लेकर पिछले पांच वर्षों से विवाद चल रहा था। बुधवार रात करीब 8 बजे दीपक बातचीत के बहाने भाई के पास आया। दोनों में कहासुनी बढ़ी और आरोप है कि दीपक ने सब्जी काटने वाले चाकू से सचिन की जांघ पर वार कर दिया। मुख्य नस कटने से सचिन वहीं लहूलुहान होकर गिर पड़ा।

परिजन उसे गंभीर हालत में केएमसी अस्पताल ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। ज्यादा रक्तस्राव के कारण सचिन ने दम तोड़ दिया।

पांच साल पुराना मकान विवाद, शादी की खुशियां मातम में बदलीं : परिवार में तीन भाई दिग्विजय, सचिन और दीपक पैतृक मकान को लेकर समय-समय पर भिड़ते रहे थे।

दीपक अपना हिस्सा बेचने की जिद कर रहा था, जबकि बड़ा भाई दिग्विजय अपने परिवार के साथ आगे दूसरे मकान में रहता है।

30 नवंबर को दिग्विजय के बेटे मयंक वर्मा की शादी है। तैयारियां चल रही थीं, लेकिन सचिन की मौत से पूरा परिवार सदमे में है। सचिन के तीन बच्चे वासु (13), कीर्ति (11) और हन्नू (3) अपने पिता की मौत से बेसहारा हो गए।

पत्नी ने फोन करके पति को बुलाया था घर : जांच पड़ताल में सामने आया कि दीपक की पत्नी के कहने पर शिवानी ने पति को फोन करके घर बुलाया था लेकिन उसे क्या खबर थी उसकी ये कॉल उसके पति की जिंदगी का काल साबित होगी।

पुलिस ने किया निरीक्षण, आरोपी जेल भेजा जाएगा : घटना की जानकारी मिलते ही एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह, सीओ ब्रह्मपुरी सौम्या अस्थाना और थाना प्रभारी रमाकांत पचौरी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने आरोपी को घटना के तुरंत बाद गिरफ्तार कर चाकू भी बरामद किया।

भाजपा का आरोप- देश को अपमानित कर रही राहुल गांधी की टीम, विदेशी सोशल मीडिया अकाउंट्स से रची जा रही साजिश

नई दिल्ली। भाजपा ने गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस पर विदेश से संचालित होने वाले खातों के जरिए भारत की छवि खराब करने का आरोप लगा दिया। पार्टी के प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि लगभग 2014 से लगातार कांग्रेस पार्टी विशेषकर राहुल गांधी और उनकी टीम, सोशल मीडिया टीम, एडवाइजरी कमेटी की टीम और लेफ्ट के जाने-माने चेहरे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतवर्ष को अपमानित करने के लिए कोई कोर-कसर बाकी नहीं छोड़ रहे हैं।

'कांग्रेस के अकाउंट्स की दिखती है विदेशी लोकेशन' : पात्रा ने कहा, में कुछ दिन पहले एक नया फीचर आया है। इसके माध्यम से आप जान सकते हैं कि जो अकाउंटधारी है, वो किस देश का है, अर्थात उसकी लोकेशन क्या है। कांग्रेस के बड़े नेता पवन खेड़ा का अकाउंट अमेरिका आधारित है। महाराष्ट्र कांग्रेस का अकाउंट आयरलैंड में आधारित है, लेकिन अभी इन्होंने इसे बदलकर क्ठउक्क्अ कर दिया है। हिमाचल कांग्रेस का हैंडल @क्ठउल्लूँ' अकाउंट कनेक्टेड वाया एंड्रॉयड एप थाईलैंड दिखाता है।

उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, भले ही इसके लिए विदेशी ताकतों की मदद लेनी पड़े, भले ही विदेश में जाकर भारत के विरोध में कहना पड़े और भले ही विदेश से अपने अकाउंट्स का संचालन करके भारत में नैरेटिव गढ़ने की कोशिश की जाए। कांग्रेस कहीं से भी पीछे नहीं है।

भाजपा सांसद ने आगे कहा, राहुल गांधी केवल विदेश जाकर देश के खिलाफ ही नहीं बोल रहे हैं। वे केवल जेन-जी से मिलकर देश के खिलाफ माहौल बनाने की कोशिश नहीं करते हैं बल्कि कांग्रेस में काम का बंटवारा है। इनके लोग अलग-अलग देशों में बैठकर भारत में नैरेटिव सेट कर रहे हैं। वोट चोरी और ऑपरेशन सिंदूर का नैरेटिव सेट किया गया है। ऑपरेशन सिंदूर में प्रधानमंत्री मोदी और भारतीय सेना को आत्मसमर्पण की स्थिति में दिखाया गया था। राहुल गांधी केवल विदेश जाकर देश के खिलाफ ही नहीं बोलते, बल्कि उन्होंने किस योजना और डिजाइन के साथ इस काम को विदेश से करवा रहे हैं।

उन्होंने कहा, बांग्लादेश, पाकिस्तान, दक्षिण-पूर्व एशिया, पश्चिम एशिया, यूरोप और अमेरिका में बैठे उनके लोग, जिनका भारत से कोई लेना-देना नहीं है, वो भारत में नैरेटिव सेट करते हैं। भारत में कुछ ऐसे नैरेटिव जो राहुल गांधी, कांग्रेस और लेफ्ट इकोसिस्टम के कहने पर सेट किए गए, ऐसे तीन नैरेटिव के उदाहरण मैं दूंगा। पहला - वोट चोरी का नैरेटिव सेट किया गया। दूसरा - ऑपरेशन सिंदूर में जो मोदी जी और भारत की सेना को एक तरह से दुर्बल दिखाने की कोशिश की गई, उसके पीछे भी पाकिस्तान, बांग्लादेश और पश्चिम एशिया में बैठे कुछ कांग्रेसी और उनके शुभचिंतकों के हैंडल हैं। तीसरा- संघ, संघ परिवार और मोदी जी पर व्यक्तिगत हमला करने का नैरेटिव भी विदेश से ही संचालित हुआ।

पत्नी की गोली मारकर हत्या बागपत के जंगल में फेंका शव

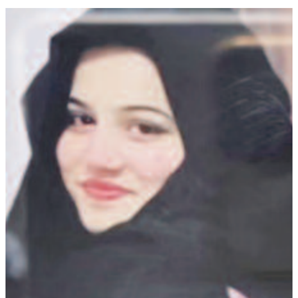

मेरठ। दिल्ली के चांदबाग निवासी तायबा की हत्या के मामले ने इलाके में सनसनी फैला दी है। क्लब जाने को लेकर बढ़ते विवाद के बीच आरोपी पति फैसल खान ने पत्नी को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया और शव को बागपत के सरूरपुर कलां गांव के जंगल में फेंक दिया। दिल्ली के दयालपुर थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

हत्या के बाद जंगल में फेंका था शव : जानकारी के अनुसार बुधवार देर रात फैसल ने कार में तायबा को गोली मारकर उसकी हत्या कर डाली। घटना के बाद आरोपी ने शव को ठिकाने लगाने के लिए उसे बागपत लेजाकर सरूरपुर कलां के जंगल में फेंक दिया। शिकायत मिलने पर दिल्ली पुलिस ने जांच शुरू की और फैसल से पूछताछ की। कड़ी पूछताछ में आरोपी ने हत्या की बात स्वीकार कर ली। इसके बाद पुलिस टीम ने जंगल से शव बरामद कर लिया।

क्लब जाने को लेकर चलता था विवाद, दूसरी शादी की भी पुष्टि : स्थानीय सूत्रों के मुताबिक फैसल पहले से शादीशुदा था। क्लब में आने-जाने के दौरान उसकी मुलाकात तायबा से हुई, जिसके बाद उसने उससे दूसरा निकाह कर लिया। कुछ समय से दोनों के बीच क्लब जाने को लेकर विवाद बढ़ रहा था, जो आखिरकार हत्या तक पहुंच गया। पुलिस ने फैसल को हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

कर्नाटक में अब किसे मिलेगी सीएम की कुर्सी?

नेतृत्व परिवर्तन पर खरगे बोले- पूरा हाईकमान करेगा फैसला

बंगलूरू। कर्नाटक में अब मुख्यमंत्री की कुर्सी किसे मिलेगी? इस सवाल पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रतिक्रिया दी है। खरगे ने बंगलूरू में पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'मैं सबको बुलाकर चर्चा करूंगा। उस बैठक में राहुल गांधी भी मौजूद रहेंगे। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री भी शामिल होंगे। पूरी हाईकमान टीम मिलकर निर्णय लेगी।' कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ने 20 नवंबर को अपने पांच साल के कार्यकाल का आधा सफर पूरा किया है। इसी के बाद सत्ता परिवर्तन की चर्चा फिर तेज हो गई है क्योंकि चुनाव से पहले यह संकेत मिले थे कि ढाई-ढाई साल सत्ता साझा होगी, हालांकि पार्टी ने कभी आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं की।

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने भी गुरुवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसे राजनीतिक हलकों में कांग्रेस नेतृत्व के लिए संकेत माना जा रहा है। उन्होंने लिखा, 'वचन की ताकत ही दुनिया की सबसे बड़ी ताकत है। जो कहा है, उस पर चलना चाहिए- चाहे वह जज हो, राष्ट्रपति हो या मैं खुद ही क्यों न रहूं।' उनका पोस्ट ऐसे समय पर आया है जब खुद शिवकुमार ने 29 नवंबर को सोनिया गांधी से मुलाकात का समय मांगा है।

पार्टी के अंदर मतभेद खुलकर सामने : इसी बीच कांग्रेस विधायक और पूर्व मंत्री केएन राजन्ना ने कहा कि अगर पार्टी में नेतृत्व को लेकर विवाद है तो विधानसभा भंग कर दोबारा चुनाव कराया जाए। उन्होंने कहा, 'जब सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री चुना गया था तो वह कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) का फैसला था। ऐसे में अगला फैसला भी सीएलपी को ही करना चाहिए।' हालांकि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से सिद्धारमैया को पूरा कार्यकाल देने का समर्थन किया और दूसरे विकल्प के तौर पर गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर का नाम भी सामने रखा।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इस पूरी चर्चा को 'अनावश्यक बहस' बताया है। वहीं डीके शिवकुमार ने कहा कि वह कांग्रेस के साथ हैं और उनके इस्तीफे की खबरें सिर्फ अफवाह हैं।

करोल बाग में पुलिस ने अवैध मोबाइल फैक्टरी का भंडाफोड़ किया

पुलिस ने पांच आरोपियों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। ऑपरेशन 'साइबरहॉक' के दौरान सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के करोल बाग पुलिस स्टेशन ने गैर-कानूनी मोबाइल बनाने वाली यूनिट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के मुताबिक, पुलिस स्टेशन करोल बाग पिछले 15 दिनों से इलाके में गैर-कानूनी मोबाइल फोन एक्टिविटी को रोकने के लिए लगातार काम कर रहा था। इस दौरान, दिल्ली के करोल बाग में बीडनपुरा के गली नंबर 22 में एक बिल्डिंग से चल रही गैर-कानूनी मोबाइल बनाने और आईएमईआई बदलने वाली यूनिट के बारे में खास जानकारी मिली।

पुलिस ने 1826 मोबाइल फोन (कीपैड और स्मार्टफोन) बरामद किए हैं। आईएमईआई बदलने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला लैपटॉप जब्त किया है। ह१ ३ीक्टएक 2.0 सॉफ्टवेयर, आईएमईआई स्कैनर, हजारों मोबाइल बॉडी पार्ट्स और प्रिंटेड आईएमईआई लेबल बरामद किए हैं।

गिरफ्तार आरोपी

1. अशोक कुमार, मैन्युफैक्चरिंग यूनिट का मालिक, (उम्र 45), निवासी ककरोला, दिल्ली।
2. रामनारायण (उम्र 36), निवासी तिलक नगर, दिल्ली
3. धर्मेंद्र कुमार (उम्र 35), निवासी मोती नगर, दिल्ली
4. दीपांशु (उम्र 25), निवासी मंडावली, दिल्ली
5. दीपक (उम्र 19), निवासी ओल्ड महावीर नगर, दिल्ली

करनाल की कर्ण लेक के पास मिली विस्फोटक सामग्री दो ग्रेनेड मिलने की सूचना, एक को किया डिफ्यूज

करनाल। हरियाणा के करनाल में एनएच-44 हाईवे के पास स्थित प्रसिद्ध कर्ण लेक के नजदीक गुरुवार सुबह अचानक हड़कंप मच गया। यहां संदिग्ध विस्फोटक सामग्री मिलने की सूचना पुलिस को मिली। जानकारी के अनुसार, सुबह करीब साढ़े 11 बजे पुलिस कंट्रोल रूम को एक कॉल मिली, जिसमें बताया गया कि कर्ण लेक क्षेत्र में विस्फोटक जैसी कोई वस्तु पड़ी है। सूचना मिलते ही करनाल पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और तुरंत क्षेत्र को घेरकर यातायात को रोक दिया, ताकि किसी भी तरह की अनहोनी से बचा जा सके।

पुलिस को मिले दो ग्रेनेड : जांच के दौरान पुलिस को वहां दो ग्रेनेड मिले। तुरंत ही बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया, जिसने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। टीम ने सावधानी बरतते हुए एक ग्रेनेड को सुरक्षित तरीके से डिफ्यूज कर दिया। हालांकि दूसरा ग्रेनेड को निष्क्रिय करने का प्रयास किया जा रहा है। बम निरोधक दस्ते के विशेषज्ञ लगातार प्रयास कर रहे हैं कि बिना किसी नुकसान के ग्रेनेड को निष्क्रिय किया जा सके।

कर्ण लेक के आसपास इलाके को किया गया सील : ग्रेनेड मिलने की खबर फैलते ही इलाके में दहशत फैल गई। कर्ण लेक एक लोकप्रिय पिकनिक स्पॉट होने के कारण यहां आमतौर पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहते हैं। लेकिन पुलिस और प्रशासन की तत्परता के चलते लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेज दिया गया और पूरे क्षेत्र को सील कर दिया गया।

पुलिस शाम चार बजे करेगी प्रेस कॉन्फ्रेंस : फिलहाल इस बात की जांच जारी है कि ये विस्फोटक सामग्री यहां कैसे और किसने रखी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और सुराग जुटाने का प्रयास कर रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए करनाल पुलिस ने बताया है कि शाम करीब चार बजे इस संबंध में प्रेस कॉन्फ्रेंस की जाएगी, जिसमें अब तक की जांच और आगे की कार्रवाई के बारे में जानकारी दी जाएगी।

गाजियाबाद में सड़क हादसों का काला महीना

हाईवे से लेकर शहर की सड़कों तक 12 से ज्यादा मौतें, प्रशासन पर सवाल

मेरठ रोड, जीटी रोड, मुरादनगर हाईवे, एनएच-9 और ईस्टर्न पेरिफेरल पर लगातार दुर्घटनाएं

गाजियाबाद, करंट क्राइम। नवंबर का महीना ज़िले के लिए सड़क हादसों का सबसे डरावना दौर साबित हुआ। शहर और हाईवे को मिलाकर 12 से ज्यादा लोगों की मौत, कई गंभीर घायल और सुरक्षा व्यवस्था पर तीखे सवाल खड़े हुए। मुरादनगर से मेरठ रोड, जीटी रोड से दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे, और एनएच-9 से ईस्टर्न पेरिफेरल तक–लगभग हर अहम मार्ग पर तेज रफ्तार, भारी वाहनों की लापरवाही और रात के समय कम निगरानी ने ज़िंदगियाँ छीन लीं। हादसों का फैलाव बताता है कि समस्या सिर्फ एक-दो जगहों की नहीं, बल्कि पूरा गाजियाबाद हाई-रिस्क ट्रैफिक जोन में तब्दील हो चुका है।

माह की शुरूआत मुरादनगर में डंपर से हुई मौत से हुई, इसके बाद मेरठ रोड पर शिक्षिका की जान बस की टक्कर से चली गई। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर आम्रपाली के सामने वैन और बाइक की भिड़ंत में एक व्यक्ति की मृत्यु और दो गंभीर घायल हुए। जीटी रोड-अंबेडकर रोड पर इनोवा की रफ्तार ने दो युवकों को निगल लिया। हापुड़-ठल९ पर देर रात व्यक्ति को कई वाहनों द्वारा कुचले जाने की घटना ने सड़क सुरक्षा स्थिति की भयावहता उजागर कर दी। घटनाओं में उभरा पैटर्न बताता है कि निगरानी की कमी, लेन अनुशासन का टूटना और भारी वाहनों की मनमानी मिलकर रोजाना शहर को खतरे में डाल रहे हैं।

भारी वाहन, तेज रफ्तार और निगरानी की कमी मुख्य कारण

सीन 01

बाइक एक्सीडेंट से तीन किशोरों की दर्दनाक मौत

सीन 02

लोनी : शादी से लौट रहे युवक की सड़क हादसे में मौत

सीन 03

मालीवाडा चौक पर हुआ है भीषण एक्सीडेंट।

सबसे घातक मार्ग

इस महीने जिन सड़कों पर सबसे अधिक मौतें दर्ज हुईं–

- मेरठ रोड / बाईपास
- मुरादनगर हाईवे
- जीटी रोड–अंबेडकर रोड
- दिल्ली–मेरठ एक्सप्रेसवे (इंदिरापुरम सेक्शन)
- एनएच–9 हापुड़5बाबूगढ़ बेल्ट

(ये पाँचों मार्ग हाई–रिस्क कॉरिडोर माने जा सकते हैं।)

किस वजह से सबसे ज्यादा हादसे हुए?

- ओवरस्पीड डंपर / बस / वैन
- रॉन्ग–साइड ड्राइविंग
- सड़क किनारे खड़े वाहन
- हाइवे पर पेट्रोलिंग की कमी
- बिना रुकावट तेज–लेन का दुरुपयोग

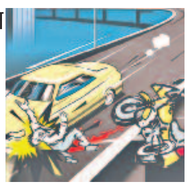

(हर घटना में एक–से–अधिक कारण मिले—इसलिए सिस्टम की संयुक्त कमी साफ दिखाई देती है।)

प्रशासन के सामने खड़े 3 बड़े सवाल

1. हाईवे पेट्रोलिंग इतने कम क्यों है, जबकि हर दिन लाखों वाहन गुजरते हैं?
2. भारी वाहनों पर रात–विशेष निगरानी क्यों नहीं बढ़ाई गई?
3. ईस्टर्न पेरिफेरल व एक्सप्रेसवे पर स्पीड–एनफोर्समेंट सिस्टम मजबूत क्यों नहीं?

(ये सवाल आने वाले समय में सड़क सुरक्षा पर दबाव बढ़ा सकते हैं।)

बैंक प्रतिनिधि बन कर घर में घुसे बदमाशों ने किया रिटायर्ड बुजुर्ग दम्पत्ति पर जानलेवा हमला

लूट की वारदात को अंजाम देने के लिए घुसे थे बदमाश

बदमाशों के हमले में घायल बुजुर्ग दम्पत्ति को उपचार के लिए यशोदा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यहां पर नरेन्द्र शर्मा की हालत गंभीर होने पर उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया है।

गाजियाबाद, करंट क्राइम। कविनगर थानाक्षेत्र में बैंक प्रतिनिधि बनकर बदमाश एक बुजुर्ग दम्पत्ति के घर में घुस गये। बदमाशों ने लूट की कोशिश की और फिर उन्होंने बुजुर्ग दम्पत्ति पर हमला बोल दिया। बदमाशों ने बुजुर्ग दम्पत्ति पर चाकू से गंभीर वार किये। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बड़ी बात है कि ये घटना उस स्थान पर हुई है जहां लोकसभा सांसद अतुल गर्ग का आवास थोड़ी ही दूरी पर है। यहां से एमएलसी दिनेश गोयल का भी आवास पास में ही पड़ता है। कविनगर में 72 वर्षीय नरेन्द्र कुमार शर्मा और उनकी पत्नी मधु शर्मा मौजूद थे। तभी बदमाशों में से एक बदमाश खुद को बैंक प्रतिनिधि बताकर घर में घुसा और पेंशन व बैंक से जुड़ी बातचीत की। इसी बीच बदमाश ने हमला किया तो रिटायर्ड बुजुर्ग नरेन्द्र शर्मा की पत्नी मधु शर्मा बदमाशों से भिड़ गईं। बदमाश ने इस दौरान चाकू से मधु शर्मा के गले, कान और मुहं पर कई वार किये। इसके बाद बदमाश ने नरेन्द्र शर्मा के गले और आंख पर चाकू से वार कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। इसके बाद शोर मचने पर गेट के बार मोटर साईकिल पर खड़े दूसरे साथी के साथ भाग निकला। घटना की सूचना मिलते ही एसीपी कविनगर सूर्यबलि मौर्या पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में रोष व्याप्त है। उनका कहना है कि ना तो यहां गश्त होती है और ना ही सीसीटीवी कैमरे लगाये गये हैं। वहीं स्थानीय लोगों का ये भी कहना है कि इस मामले में पुलिस बदमाशों को पकड़ने या उनकी पहचान के बजाय इसे दूसरे ऐंगल से देखने में जुट गई। वो कभी इसे विवाद बता रहे थे तो कभी लूट की घटना से इंकार कर रहे थे। लोगों में रोष इस बात को लेकर था कि पुलिस पीड़ित के साथ होने के बजाय लूट की वारदात को ही क्यों झुटला रही है। कविनगर निवासी भाजपा नेता परमजीत सिंह पम्मी ने ही कहा कि ये हादसा किसी के साथ हो सकता है। सभी ब्लॉक निवासी अपना ध्यान रखें। अपने अपने घरों के बाहर सीसीटीवी कैमरे लगायें। इसी बीच बदमाशों के हमले में घायल बुजुर्ग दम्पत्ति को उपचार के लिए यशोदा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यहां पर नरेन्द्र शर्मा की हालत गंभीर होने पर उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया है।

मुख्यमंत्री ने बढ़ाया मंत्री सुनील शर्मा का मयार कार में साथ बैठाकर कार्यक्रम के लिए हुए सवार

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राजनीति में छोटी बातों के बड़े संदेश होते हैं। बड़े नेता संदेश देने में एक्सपर्ट होते हैं। राजनीति में किसका कद क्या चल रहा है, ये वो हैलीपेड बताता है जहां मुख्यमंत्री का हैलीकॉप्टर लैंड होता है। किस नेता की सियासी रफ्तार क्या है ये कार बताती है। साहिबाबाद विधायक सुनील शर्मा कैबिनेट मंत्री हैं और गुरूवार को जब सीएम योगी आदित्यनाथ आये तो यहां कुछ ऐसा हो गया कि सब देखते रह गये। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आईटीएस पहुंचे थे और जब वो वहां से चले तो यहां लोकसभा सांसद अतुल गर्ग थे। यहां विधायक अजीत पाल त्यागी थे, यहां राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेन्द्र कश्यप थे, यहां पूर्व सांसद रमेश चंद तोमर थे। यहां महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल थे और कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा भी यहीं थे। यहां पर जब मुख्यमंत्री ने कार में बैठने के बाद कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा को आवाज लगाकर बुलाया तो सब चौंके लेकिन हैरान तब रह गये जब मुख्यमंत्री अपनी कार में कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा को बैठा कर ले गये। बताते हैं कि मुख्यमंत्री तय समय से 10 मिनट पहले आईटीएस पहुंचे थे। यहां पर कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेन्द्र कश्यप और महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल एक ही कार में सवार होकर पहुंचे थे। जब ये लोग पहुंचे तो मुख्यमंत्री का हैलीकॉप्टर लैंड हो चुका था। इसके बाद मुख्यमंत्री ने हैलीपेड पर जनप्रतिनिधियों से मुलाकात की और फिर वो कार्यक्रम स्थल की ओर बढ़े। अब जब मुख्यमंत्री कार्यक्रम स्थल से रवाना हो रहे थे अचानक मुख्यमंत्री की कार रूकी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आवाज लगाई और पूछा कि सुनील शर्मा कहां हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री की सुरक्षा संभाल रहे सुरक्षाकर्मी ने पीछे खड़े कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा को बताया कि आपको मुख्यमंत्री बुला रहे हैं। सुनील शर्मा जब मुख्यमंत्री की कार के पास पहुंचे तो मुख्यमंत्री ने उन्हें सबसे पहले अपने साथ कार में बिठाया। फिर सब देखते ही रह गये और मुख्यमंत्री अपने साथ अपनी कार में कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा को बिठाकर ले गये। बताया जाता है कि छोटा सा ये सफर सियासत में एक बड़ा सा संदेश दे गया है क्योंकि पता ये चला है कि मुख्यमंत्री ने कार में बिठाने के बाद सुनील शर्मा से उनके और उनके परिवार की कुशलक्षेम पूछी और फिर मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान एसआईआर के बारे में पूछा।

कहा कि सभी इस पर ध्यान दें। मगर ध्यान देने वाली जो बात है और हैरान करने वाली जो बात है वो यही है कि मुख्यमंत्री ने कार में बैठने के बाद इस बात पर ध्यान दिया कि कैबिनेट मंत्री कहां हैं फिर उन्हें आवाज लगाकर बुलाया। फिर अपने पास अपनी कार में बैठाया। ये संदेश राजनीति के लोग समझ रहे हैं।

समय के संस्कार और त्रिवेणी मास्टर जी की विरासत : बालेश्वर त्यागी

'समय का पालन एक महत्वपूर्ण संस्कार है, उसके लिए अभ्यास जरूरी'

बालेश्वर त्यागी की डायरी के प्रमुख अंश 'संस्कार कोई पेट से लेकर पैदा नहीं होता'

त्रिवेणी सहाय की अद्भुत समय-पाबंदी

गांव में लोग उनकी दैनिक दिनचर्या देखकर घड़ी का समय तय कर लेते थे, 9:15 और 3 बजे उनके आने-जाने से जुड़ा मानक समय था।

सिद्धांतवादी और निष्पक्ष शिक्षक

वे बच्चों से कोई भी उपहार स्वीकार नहीं करते थे और हमेशा अपने दायित्वों के प्रति सजग रहते थे।

दो पीढ़ियों को शिक्षा देने वाले गुरु

उन्होंने लेखक के पिता को भी पढ़ाया और बाद में लेखक को भी, जिससे एक गहरी भावनात्मक और नैतिक विरासत बनी।

राजनीतिक जीवन में भी समय-पालन की प्रेरणा

बड़े लोगों से मिलते हुए भी त्रिवेणी मास्टर जैसी समय-निष्ठा कहीं और नहीं दिखी; देर होने पर आज भी तनाव महसूस होता है।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय ढर्रे की आलोचना

विदेश यात्रा के दौरान अधिकारियों द्वारा समय पर पहुंचने का आग्रह और डेलिगेशन की देरी से हुई असुविधा समय-पालन की महत्ता को और रेखांकित करती है।

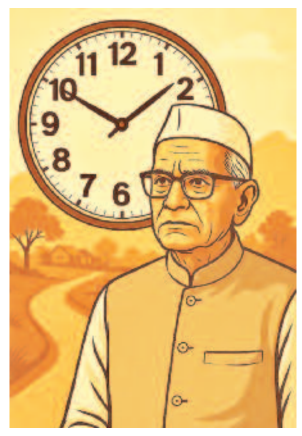

गाजियाबाद, करंट क्राइम। हमने अपनी प्राइमरी की पढ़ाई गांव की प्राइमरी पाठशाला में ही की थी। उन दिनों श्री त्रिवेणी सहाय हेडमास्टर थे। उन्होंने बहुत लंबे समय तक हमारे गांव के विद्यालय में पढ़ाया। उन्होंने हमारे पिता जी को भी पढ़ाया था और हमें भी पढ़ाया। वह बहुत सिद्धांतवादी शिक्षक थे। अपने दायित्वों के प्रति बड़े सजग रहते थे। वह बच्चों से कोई उपहार स्वीकार नहीं करते थे। समय की उनमें बड़ी पाबंदी थी। वे कनौजा गांव के रहने वाले थे। हमारा गांव दिल्ली मेरठ रोड के पश्चिम में है और कन्नौजा पश्चिम में है। वे अपने गांव से पैदल हमारे गांव आते थे। जब वे दिल्ली मेरठ रोड क्रास करते थे तो सवा नौ (9.15) बजते थे। गांव के लोग उनके आने से समय का आंकलन करते थे। गांव में महिलाएं खेत पर काम कर रहे परिजनों का भोजन लेकर जाती थी। कई बार खेत पर काम करने वाले कहते थे कि आज तो खाना लाने में बड़ी देर कर दी। तब महिलाएं कहती थीं कि देर कहां कर दी, अभी तो त्रिवेणी मास्टर हमें मोड़ा पर मिला था। मोड़ा वह स्थान था जहां सड़क से गांव को जाने वाले रास्ते में घुमाव था। त्रिवेणी मास्टर का सड़क पार करना अर्थात घड़ी में 9.15 बजे होंगे।

शाम को तीन बजे त्रिवेणी मास्टर जी लघुशंका को जाते थे। आर्डिनेंस फैक्ट्री की ड्यूटी जाने वाले या मुरादनगर स्टेशन से ट्रेन पकड़ने वाले व्यक्ति पूछते थे कि त्रिवेणी मास्टर पेशाब करने गया क्या? अगर त्रिवेणी मास्टर जी लघुशंका के लिए गए तो तीन बज गए।

राजनीति में अवसर मिलने के कारण जीवन में कई बड़े लोगों से संपर्क हुआ। लेकिन त्रिवेणी मास्टर जी जैसा समय की पाबंदी की प्रतिबद्धता अन्य किसी में नहीं देखी। उस संस्कार के कारण समय की चिंता करने का स्वभाव हो गया। त्रिवेणी मास्टर जी जैसी पाबंदी तो नहीं रही लेकिन अगर समय से नहीं पहुंचे थे तनाव हो जाता है।

मंत्री रहते तो कई लोग फोन करके कहते थे कि कार्यक्रम में आधा घंटा देर से आना। कई बार तो विवाह-शादी में समय से पहुंचते हैं तो मेजबान भी नहीं मिलता। कार्यक्रम तो समय से कभी प्रारंभ नहीं होते।

एक पार्लियामेंट्री डेलिगेशन में विदेश जाने का अवसर मिला। वहां के दूतावास के अधिकारी विशेष रूप से आग्रह करते थे कि समय से पहुंचना है। हम अपनी समय की पाबंदी के पालन न करने के अपने स्वभाव को भारतीय होने के नाम पर छुपाना चाहते हैं। एक स्थान पर तो जिनके साथ भेंट होनी थी, वे डेलिगेशन के समय पर न पहुंचने के कारण चले गए।

समय का पालन एक महत्वपूर्ण संस्कार है। संस्कार कोई व्यक्ति मां के पेट से लेकर पैदा नहीं होता। उसका संग्रह करना होता है। उस संस्कार के लिए अभ्यास करना होता है। उसके लिए प्रयास करना होता है। उसके लिए किसी त्रिवेणी सहाय जैसे प्रधानाचार्य के आचरण को प्रेरणा बनाना पड़ता है।

संपादकीय

हिरासत सुरक्षा में लापरवाही

सुप्रीम कोर्ट ने मानवाधिकार हनन रोकने के लिए वर्ष 2018 और 2020 में अलग-अलग आदेशों में थानों, सीबीआई, ईडी और एनआईए सहित अन्य जांच एजंसियों के कार्यालयों में सीसीटीवी कैमरे तथा रिकार्डिंग उपकरण लगाने को कहा था। पिछले कुछ वर्षों से देश के विभिन्न हिस्सों में हिरासत में मौत की घटनाओं का मसला चिंताजनक रूप से उभर कर सामने आया है। जांच एजंसियों का काम आपराधिक मामलों में आरोपियों को न्याय के कठघरे में लाना है। दोष साबित करने के लिए सबूत जुटाने की जिम्मेदारी भी उन्हीं की होती है। ऐसे में आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ करना जांच प्रक्रिया का हिस्सा है। मगर इस दौरान आरोपी की सुरक्षा का दायित्व भी संबंधित जांच एजंसी का ही होता है।

सवाल है कि अगर पुलिस या अन्य जांच एजंसियां अपने इस दायित्व को सही तरीके से निभा रही हैं, तो आए दिन हिरासत में मौत के मामले क्यों सामने आ रहे हैं? जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता क्यों नहीं बरती जा रही है। जाहिर है कि इस मामले में कहीं न कहीं लापरवाही और मनमानी की जा रही है, जिस पर सर्वोच्च न्यायालय ने भी कड़ा संज्ञान लिया है। शीर्ष अदालत ने राजस्थान में आठ माह के भीतर पुलिस हिरासत में ग्यारह लोगों की मौत हो जाने का हवाला देते हुए मंगलवार को कहा कि हिरासत में हिंसा एवं मौत व्यवस्था पर एक धब्बा है और देश अब इसे बर्दाश्त नहीं करेगा।

यह सच है कि लोग जांच एजंसियों पर कम और न्यायपालिका पर ज्यादा भरोसा करते हैं। मगर न्याय प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही अगर किसी आरोपी की हिरासत में मौत हो जाती है, तो निश्चित रूप से न्याय की भावना को चोट पहुंचती है। सर्वोच्च न्यायालय ने मानवाधिकारों के हनन को रोकने के लिए वर्ष 2018 और 2020 में अलग-अलग आदेशों में पुलिस थानों, केंद्रीय जांच ब्यूरो, प्रवर्तन निदेशालय और राष्ट्रीय जांच एजंसी सहित अन्य जांच एजंसियों के कार्यालयों में सीसीटीवी कैमरे तथा रिकार्डिंग उपकरण लगाने को कहा था। इस व्यवस्था से जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता आना स्वाभाविक था, लेकिन इस पर अमल करने में भी कई स्तरों पर कोताही बरती जा रही है। कई पुलिस थानों में सीसीटीवी न लगे होने या उनके बंद होने की खबरें अक्सर आती रहती हैं। इससे स्पष्ट है कि जांच एजंसियां हिरासत में मानवाधिकारों की रक्षा को लेकर गंभीर नहीं हैं। शीर्ष अदालत ने इस मसले पर भी संज्ञान लिया है और अब तक अनुपालन हलफनामे दाखिल नहीं करने वाले राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों को इसके लिए तीन सप्ताह का समय दिया है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की एक रपट के मुताबिक, वर्ष 2017-2022 तक पांच वर्षों में देश भर में पुलिस हिरासत में 669 लोगों की मौत हुई। यह स्थिति पुलिस हिरासत में लोगों की सुरक्षा को लेकर वास्तव में गंभीर चिंता पैदा करने वाली है। इस तरह के मामलों में शारीरिक प्रताड़ना, जरूरी चिकित्सा सेवाएं मुहैया न कराना या आत्महत्या जैसे कारण हो सकते हैं।

रोचक तथ्यों का करंट

- जो लोग सोचते हैं कि उनकी राय दूसरों के मुकाबले बेहतर है, वे अपने प्रासंगिक ज्ञान को अधिक महत्व देने और अधिक जानने के अवसरों को अनदेखा कर सकते हैं, एक अध्ययन में पाया गया।
- साल 2015 में जर्मनी में सबसे ज्यादा आश्रय अनुरोध थे।
- सावधानीपूर्ण और कुशल इंजीनियरिंग के कारण आकाशीय बिजली ने साल 1963 से किसी भी विमान को नुक्सान नहीं पहुँचाया है, क्यूंकि यह आकाशीय बिजली के बोल्ट के बिजली के चार्ज को विमान के माध्यम से चलाता है और इसके बाहर चला जाता है।
- कई आइसलैंड निवासियों के लिए, विश्व युद्ध 2 वास्तव में 'धन्यवाद युद्ध' के रूप में जाना जाता है क्योंकि देश की आजादी के लिए धन्यवाद देने का युद्ध है।
- जब स्टीव जॉब्स अपनी मृत्युसैय्या पर थे, तो उन्होंने पांच अलग ऑक्सीजन मास्क मांगे ताकि वह सर्वश्रेष्ठ डिजाइन के साथ एक चुन सकें। यदि आप वास्तविक जीवन में राक्षसों और पिशाचों के बारे में जानना चाहते हैं, तो आप एडिनबर्ग विश्वविद्यालय में पैराप्सिओलॉजी में पीएचडी प्राप्त कर सकते हैं।

राशिफल

मेष: आराम व मनोरंजन के साधनों पर व्यय होगा। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्ति के योग हैं। राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी।

वृष: जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार पर व्यय हो सकता है। किसी मामले की चिंता रह सकती है।

मिथुन: शारीरिक कष्ट की आशंका है। कार्य में विघ्न हो सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। परीक्षा व साक्षात्कार इत्यादि में सफलता प्राप्त होगी।

कर्क: पुराना रोग उभर सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब होने से तनाव रहेगा। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है, सावधानी रखें।

सिंह: व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है। खान-पान का ध्यान रखें। प्रयास सफल रहेंगे। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। राजमान के योग हैं।

कन्या: प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में परेशानी हो सकती है। मन तथा शरीर में थकान महसूस होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा।

तुला: कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। धन प्राप्ति व रोजगार में वृद्धि होगी।

वृश्चिक: किसी मद में बड़ा खर्च हो सकता है। आर्थिक? स्थिति कमजोर हो सकती है। किसी के उकसाने में न आएं। महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें।

धनु: आशंका-कुशंका के चलते निर्णय लेने की क्षमता कम होगी। थकान रह सकती है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर: लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। उत्साह व प्रसन्नता से कार्य कर पाएंगे।

कुंभ: किसी धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने का अवसर मिल सकता है। आत्मिक शांति रहेगी। किसी विवाद में विजय प्राप्त होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

मीन: वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। विशेषकर युवा वर्ग लापरवाही न करें। भागदौड़ अधिक होगी।

खुदरा महंगाई 0.25% के ऐतिहासिक निम्न स्तर पर पहुंची

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट में कहा गया कि जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने से उपभोग मांग को बढ़ावा मिला है। इसमें कहा गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष के दौरान जोखिमों से निपटने व वृद्धि की गति को बनाए रखने के लिए अच्छी स्थिति में है। भारत की मैक्रोइकॉनॉनिक (व्यापाक आर्थिक परिदृश्य) स्थिति मजबूत और सकारात्मक बनी हुई है। वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग द्वारा गुरुवार को जारी अक्तूबर माह की मासिक आर्थिक समीक्षा में यह बात कही गई है। रिपोर्ट के अनुसार महंगाई में नरमी, घरेलू मांग में लगातार सुधार और नीतिगत हस्तांतरण में सुधार ने अर्थव्यवस्था को स्थिर और टिकाऊ विकास की राह पर बनाए रखा है। इसमें कहा गया है कि जीएसटी सुधार से अर्थव्यवस्था को लाभ मिलने लगा है। इससे उपभोग संकेतक विस्तार की

ओर बढ़ रहे हैं और शहरी व ग्रामीण दोनों ही मांग को समर्थन मिल रहा है।

जीएसटी संग्रह में हुई नौ प्रतिशत की वृद्धि

रिपोर्ट में बताया गया है कि ई-वे बिल जेनरेशन सितंबर और अक्तूबर 2025 में साल-दर-साल आधार पर 14.4% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वहीं अप्रैल-अक्तूबर 2025 के लिए जीएसटी संग्रह में 9% की वृद्धि से संकेत मिलता है कि मजबूत खपत और बेहतर अनुपालन के चलते सरकार का राजस्व प्रवाह स्थिर बना हुआ है।

खुदरा मंहगाई अपने निम्न स्तर पर पहुंची

खुदरा महंगाई की बात करें तो अक्तूबर 2025 में यह घटकर 0.25% के ऐतिहासिक निम्न स्तर पर आ गई। यह कमी जीएसटी दरों में कटौती, अनुकूल आधार प्रभाव और खाद्य पदार्थों विशेषकर सब्जियों की कीमतों में 11 साल की सबसे भारी गिरावट से समर्थित रही।

कॉरपोरेट सेक्टर का प्रदर्शन रहा मजबूत

कॉरपोरेट सेक्टर का प्रदर्शन भी मजबूती दिखाता रहा। वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में कंपनियों की नेट सेल्स 6.1% बढ़ीं, जबकि शुद्ध लाभ 12.3% उछला। रिपोर्ट में कहा गया है कि लाभ मार्जिन लगातार सुधर रहे हैं और कुल आय के मुकाबले ढअळ (प्रॉफिट आफ्टर टैक्स) का हिस्सा 11.1% तक पहुंच गया है, जो हाल के वर्षों में सबसे ऊंचे स्तरों में से एक है। समीक्षा के अनुसार, इन संकेतकों से स्पष्ट है कि कॉरपोरेट बैलेंस शीट्स मजबूत और स्थिर कमाई के सहारे सुदृढ़ बनी हुई हैं। कृषि क्षेत्र का परिदृश्य रहा बेहतर रबी सीजन की शुरूआत अच्छी होने से कृषि क्षेत्र का परिदृश्य बेहतर हुआ है। कुल रबी बुवाई में वार्षिक आधार पर 14.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसमें गेहूं की बुवाई 19.9 प्रतिशत और चने की बुवाई 8.9 प्रतिशत बढ़ी, जो जलाशयों के स्वस्थ स्तर और अनुकूल नमी की स्थिति के कारण संभव हुई। 20 नवंबर तक खरीफ की खरीद 170.9 लाख टन तक पहुंच चुकी है। सेवा निर्यात को बाहरी क्षेत्र का समर्थन मिला रिकॉर्ड सेवा निर्यात से बाहरी क्षेत्र को समर्थन मिला। सोने और चांदी के आयात के कारण अक्तूबर में वस्तु निर्यात में कमी आई। वहीं सेवा निर्यात रिकॉर्ड 38.5 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया।

विदेशी मुद्रा भंडार 687 अरब डॉलर पर पहुंचा

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 687 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जिससे 11 महीने का आयात कवर मिल गया। अक्तूबर में रुपया 87.8-88.8 प्रति अमेरिकी डॉलर के सीमित दायरे में कारोबार करता रहा, जो बाजार की स्थिरता को दशार्ता है।

शेयर बाजार को मिला घरेलू निवेशकों का समर्थन

शेयर बाजारा को घरेलू निवशका का समर्थन मिलता रहा और अक्तूबर में इनका प्रदर्शन मजबूत रहा। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने स्थिर भूमिका निभाना जारी रखा और उनकी बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 18.3 प्रतिशत हो गई, जो 13 वर्षों में पहली बार एफआईआई से आगे निकल गई।

बैंक ऋण वृद्धिर दर बढ़कर 10.4 प्रतिशत पहुंची

सितंबर तक बैंक ऋण वृद्धि दर बढ़कर 10.4 प्रतिशत सालाना हो गई। एमएसएमई ऋण 19.7 प्रतिशत सालाना वृद्धि के साथ मजबूत बना रहा और सूक्ष्म व लघु उद्यमों के ऋण में 22 प्रतिशत की वृद्धि हुई। सोने की बढ़ती कीमतों के कारण आभूषणों पर ऋण में 114.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

हेल्थकेयर और स्विस फार्मा कंपनियों के निवेश को विस्तार देने पर विस्तृत चर्चा

नई दिल्ली। उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को स्विट्जरलैंड की आर्थिक मामलों की राज्य सचिव से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने भारत-ईएफटीए व्यापार व आर्थिक भागीदारी समझौते (टीईपीए) के तहत हुई प्रगति पर चर्चा की। केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने स्विट्जरलैंड की आर्थिक मामलों की राज्य सचिव हेलेन बुडिलगर आर्टिडा से मुलाकात की। बैठक में अनुसंधान व विकास (फ&ऊ) सहयोग बढ़ाने और भारत के तेजी से बढ़ते हेल्थकेयर सेक्टर में स्विस दवा कंपनियों के निवेश को विस्तार देने पर विस्तृत चर्चा हुई। आर्टिडा भारत दौरे पर स्विस फर्मा और बायोटेक कंपनियों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत की यात्रा पर हैं। गोयल ने सोशल मीडिया एक्स पर इसकी जानकारी दी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दोनों पक्षों ने भारत-ईएफटीए व्यापार व आर्थिक भागीदारी समझौते (टीईपीए) के तहत हुई प्रगति पर चर्चा की। इसका उद्देश्य आपसी विकास के लिए प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को और बढ़ाना है।

टीईपीए वाताओं का उद्देश्य

भारत और ईएफटीए के बीच चल रही ट्रेड एंड इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (ळएढअ) वाताओं के बीच दोनों पक्ष व्यापार बढ़ाने और नवाचार आधारित निवेश को प्रोत्साहित करने के उपाय तलाश रहे हैं।

उद्योग मंत्री ने घरेलू फार्मा सेक्टर से जुड़े हितधारकों के साथ की चर्चा

फार्मा निर्यात में बढ़ोतरी के लिए केंद्र सरकार भी सक्रिय है। इसी कड़ी में उद्योग मंत्री गोयल ने इस सप्ताह की शुरूआत में भारत के फार्मा सेक्टर से जुड़े प्रमुख हितधारकों के साथ बैठक की। बैठक में उद्योग की मजबूती, नियामक सुधारों और निर्यात वृद्धि को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।

43 करोड़ रुपये खिलाड़ियों की राशि रोककर रखने का आरोप

नई दिल्ली। ऑनलाइन मनी गेमिंग प्लेटफॉर्म विंजो के सह-संस्थापक सौम्या सिंह राठौर और पवन नंदा को प्रवर्तन निदेशालय ने धन शोधन के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। एजेंसी ने विंजो पर आपराधिक गतिविधियों और बेईमान प्रथाओं में शामिल होने का आरोप लगाया था।

ईडी ने ऑनलाइन मनी गेमिंग प्लेटफॉर्म विंजो के संस्थापक सौम्या सिंह राठौर और पवन नंदा को मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों के अनुसार, दोनों को बुधवार को बंगलूरू में ईडी के जोनल कार्यालय में पूछताछ के बाद हिरासत में लिया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तारी के बाद दोनों को उसी रात बंगलूरू की ही एक स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें एक दिन की ईडी कस्टडी में भेज दिया गया।

पीएमएलए के तहत विंजो और गेमजक्राफ्ट के ठिकानों पर छापेमारी

ईडी ने पिछले सप्ताह धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत विंजो और ऑनलाइन गेमिंग की पेशकश करने वाली एक अन्य कंपनी गेमजक्राफ्ट के ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान दोनों कंपनियों और उनके प्रमोटर्स से जुड़े कई स्थानों की तलाशी ली गई थी।

कंपनी पर ग्राहकों को भ्रमित करने का आरोप

एजेंसी ने विंजो पर आपराधिक गतिविधियों और बेईमान प्रथाओं में शामिल होने का आरोप लगाया था। ईडी के अनुसार कंपनी ने ग्राहकों को इस सच से दूर रखा कि वे सॉफ्टवेयर के साथ खेल रहे हैं, न कि वास्तविक किसी इंसान के साथ।

सेंसेक्स 85,720 और निफ्टी 26,215 पर बंद, दोनों ने छुआ रिकॉर्ड स्तर

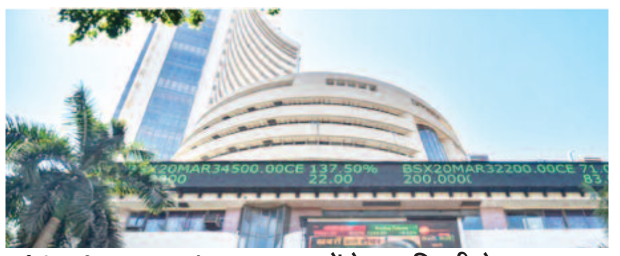

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को हरे निशान पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 110.87 अंक उछलकर 85,720.38 अंक पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 10.25 अंक की बढ़त के साथ 26,215.55 पर बंद हुआ। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की बढ़ती उम्मीद और विदेशी पूंजी प्रवाह के बीच सकारात्मक वैश्विक रुख के बीच गुरुवार को बेंचमार्क शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी ने कारोबार के दौरान नई ऊंचाई को छुआ। आयातकों और बैंकों की ओर से अधिक मांग के कारण डॉलर में मजबूती के बीच गुरुवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 8 पैसे टूटकर 89.30 (अनंतिम) पर बंद हुआ।

सेंसेक्स-निफ्टी ने बनाया ऑल टाइम हाई रिकॉर्ड

लगातार दूसरे दिन बढ़त के साथ, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 110.87 अंक या 0.13 प्रतिशत चढ़कर 85,720.38 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह 446.35 अंक या 0.52 प्रतिशत की उछाल के साथ 86,055.86 के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। बेंचमार्क का इससे पहले का सर्वकालिक उच्च स्तर 27 सितंबर, 2024 को 85,978.25 था।

50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 10.25 अंक या 0.04 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 26,215.55 पर बंद हुआ। दिन के कारोबार के दौरान, बेंचमार्क 105.15 अंक या 0.40 प्रतिशत की बढ़त के साथ 26,310.45 के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। इससे पहले, व्यापक सूचकांक ने 27 सितंबर, 2024 को 26,277.35 के अपने रिकॉर्ड इंट्रा-डे उच्च स्तर को छुआ था।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, बजाज फिनसर्व, एचसीएल टेक और एचडीएफसी बैंक प्रमुख लाभ में रहे। वहीं, मारुति, इटर्नल, अल्ट्राटेक सीमेंट और भारतीय स्टेट बैंक पिछड़ गए।

यूरोपीय बाजारों में दिखी गिरावट

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक सकारात्मक दायरे में बंद हुए।

वैश्विक धारणा में सुधार से मिला बल

ऑनलाइन ट्रेडिंग और वेल्थ टेक फर्म एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की बढ़ती उम्मीदों के बीच वैश्विक जोखिम उठाने की क्षमता में तेज सुधार से गुरुवार को भारतीय बाजार रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए। वैश्विक इक्विटी बाजारों में उत्साहजनक धारणा ने घरेलू बाजारों को मजबूती प्रदान की।

ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 63.10 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 0.05 प्रतिशत गिरकर 63.10 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 4,778.03 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने भी पिछले कारोबार में 6,247.93 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। बुधवार को सेंसेक्स 1,022.50 अंक या 1.21 प्रतिशत बढ़कर 85,609.51 पर बंद हुआ। निफ्टी 320.50 अंक या 1.24 प्रतिशत बढ़कर 26,205.30 पर बंद हुआ।

चुटकुले

मिंकी बहुत देर से मेडिकल स्टोर के बाहर खड़ी थी....
दुकान में ग्राहकों की भारी भीड़ थी. लड़की परेशान सी भीड़ के हटने का इंतजार कर रही थी।
काफी देर बाद जब भीड़ छटी तो लड़की दुकानदार के पास गई।
उसने धीरे से इधर-उधर देखकर एक परचा दुकानदार को दिया और बोली...
भाई साहब, मेरे होने वाले पति डॉक्टर हैं....
यह उनका प्रेम पत्र है, पढ़कर सुना देंगे प्लीज।

टीटू - तुम ऑपरेशन कराए बिना ही हॉस्पिटल से क्यों भाग गए ?
शीटू - नर्स बार-बार कह रही थी कि डरो मत, हिम्मत रखो, कुछ नहीं होगा.. ये तो बस एक छोटा सा ऑपरेशन है।
टीटू- तो इसमें डरने वाली कौन सी बात है ? सही तो कह रही थी नर्स।
शीटू- वो मुझसे नहीं डॉक्टर से कह रही थी।

28 11 2025 करंट क्राइम — आज के जन्मदिन

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

सेलेब्रिटी जन्मदिन

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।
करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364
सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी
संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

राष्ट्रमंडल खेलों में क्रिकेट मैचों के लिए वडोदरा हो सकता है सह-आयोजक

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के सीईओ रघुराम अय्यर ने गुरुवार को कहा कि 2030 राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान क्रिकेट मुकाबलों की मेजबानी के लिए अहमदाबाद के पास स्थित वडोदरा शहर पर विचार किया जा सकता है।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के सीईओ रघुराम अय्यर ने गुरुवार को कहा कि 2030 राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान क्रिकेट मुकाबलों की मेजबानी के लिए अहमदाबाद के पास स्थित वडोदरा शहर पर विचार किया जा सकता है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आयोजन समिति की कोशिश पूरे इवेंट को कम्पैक्ट रखने की होगी।

अहमदाबाद को मिली राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी

ग्लास्गो में आयोजित कॉमनवेल्थ स्पोर्ट जनरल असेंबली में बुधवार को अहमदाबाद को आधिकारिक तौर पर 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी सौंपी गई।

दो दशक बाद भारत में यह बहु खेल आयोजन वापसी करेगा, जो 2036 ओलंपिक की मेजबानी की देश की तैयारियों को भी मजबूती देगा। गुजरात के खेल प्रधान सचिव अश्वनी कुमार ने बुधवार को बताया था कि अधिकांश प्रतियोगिताएं अहमदाबाद और गांधीनगर के जुड़वां शहरों में होंगी।

वडोदरा हो सकता है सह-आयोजक: हालांकि, क्रिकेट जैसी प्रतियोगिता के लिए कई मैचों के आयोजन के लिए अतिरिक्त स्थलों की आवश्यकता हो सकती है, ऐसे में पास के शहरों में मौजूद स्टेडियमों को विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है। 2030 के खेलों में टी20 प्रारूप का क्रिकेट शामिल होना तय है। अय्यर ने कहा, 'अभी कुछ अंतिम नहीं हुआ है, लेकिन आयोजक अहमदाबाद के आसपास के शहरों, जैसे वडोदरा पर विचार कर रहे हैं। यह अभी केवल विचार-विमर्श के स्तर पर है।'

पर्थ टेस्ट में इंग्लैंड की हार के बाद दिग्गज इयान बॉथम भड़के

बॉथम ने बैजबॉल शैली को बेहद खराब कहा

अभी जीत नहीं, सवाल ज्यादा

इंग्लैंड का यह प्रदर्शन उस समय आया है जब बैजबॉल को टेस्ट क्रिकेट की नई क्रांति बताया जा रहा था, लेकिन लगातार आक्रामक शॉट और बेपरवाह रवैये ने टीम को कई बार परेशानी में डाला है और पर्थ की हार के बाद आलोचना और तेज हो गई है। स्टोक्स और रूट अब तक अपने करियर में ऑस्ट्रेलिया में एक भी टेस्ट मैच नहीं जीत पाए हैं और बॉथम के अनुसार यह बात उन्हें सबसे ज्यादा परेशान करनी चाहिए।

पर्थ। हाल ही में पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के हाथों शर्मनाक हार के बाद इंग्लैंड की बैजबॉल रणनीति फिर सवालों के घेरे में है और अब इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर इयान बॉथम ने इस शैली पर तीखा हमला बोला है। दो दिनों में खत्म हुए मैच में इंग्लैंड आठ विकेट से हार गया, जिसके बाद बॉथम का कहना है कि अगर इंग्लैंड इसी सोच के साथ खेलता रहा, तो बेहतर है कि वह सीरीज खत्म होने से पहले घर लौट आए।

'ये खेल नहीं, मजाक है'

बॉथम ने बैजबॉल शैली को बेहद खराब कहा और बताया कि अगर इंग्लैंड अपने तरीके नहीं बदलता, तो ऑस्ट्रेलिया सीरीज 5-0 से जीत सकता है। बॉथम ने तीखे अंदाज में कहा, 'मैं अब और नहीं सुन सकता कि हम ऐसे ही खेलते हैं। अगर कोई फिर कहेगा, तो मैं टीवी पर कुछ फेंक दूंगा।' उन्होंने कहा कि टीम को तुरंत जागने की जरूरत है और यह समझने की भी कि टेस्ट क्रिकेट में सिर्फ आक्रामकता नहीं, बल्कि हालात के मुताबिक खेलना पड़ता है।

स्टोक्स और रूट पर निशाना

बॉथम ने इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और दिग्गज बल्लेबाज जो रूट को भी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि दोनों खिलाड़ियों की प्रतिष्ठा इस बात पर निर्भर करेगी कि वे ऑस्ट्रेलिया में कैसा प्रदर्शन करते हैं। बॉथम ने कहा, 'लोग ऑस्ट्रेलिया में आपके प्रदर्शन को याद रखते हैं। जो रूट ने 39 शतक लगाए हैं और स्टोक्स विश्वस्तरीय खिलाड़ी हैं, लेकिन उन्हें यहां जीतने की जरूरत है वरना विरासत पर सवाल उठेंगे।'

'अब भारत में नहीं, इंग्लैंड में ही खेलो'

घरेलू मैदान पर हार पर पूर्व क्रिकेटर का तंज

नई दिल्ली। भारत की मौजूदा स्थिति देखकर यह साफ है कि सिर्फ खिलाड़ियों की नहीं, बल्कि सोच, तैयारी और सिस्टम में बदलाव की जरूरत है। श्रीकांत का तंज भले ही मजाक था, लेकिन उसकी जड़ें सच में छुपे एक गहरे संकट की तरफ संकेत करती हैं।

भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 0-2 की शर्मनाक हार क्या लगी, भारतीय क्रिकेट पर सवालों की बौछार होने लगी है। टीम इंडिया, जो कभी घरेलू मैदानों पर अजेय मानी जाती थी, अब लगातार लड़खड़ा रही है। भारत पिछले सात घरेलू टेस्ट में पांच हार चुका है, जो देश के क्रिकेट इतिहास के लिए एक चिंताजनक आंकड़ा है।

'अब भारत को घर पर नहीं खेलना चाहिए'

पूर्व भारतीय कप्तान कृष श्रीकांत ने भारत की हार पर बात करते हुए हल्के-फुल्के अंदाज में बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा, 'मेरे पास एक समाधान है। भारत को न्यूट्रल वेन्यू पर खेलना चाहिए। सारी टेस्ट सीरीज इंग्लैंड में होनी चाहिए।

वहां भारतीय फैंस भी आते हैं और टीम भी अच्छा खेलती है। अब भारत में कोई मैच मत खेलो।' उनकी टिप्पणी मजाक में दी गई थी, लेकिन भारतीय टीम की हालिया परफॉर्मेंस देखकर यह बात पूरी तरह अव्यवहारिक भी नहीं लगती।

बल्लेबाजी और आत्मविश्वास दोनों टूटे

दूसरे टेस्ट में भारत को 549 रन का लक्ष्य मिला था। पांचवे दिन भारत के पास आठ विकेट बचे थे और सिर्फ टिककर खेलने की जरूरत थी, लेकिन टीम केवल 140 रन पर सिमट गई और 408 रन से मैच हार गई। यह भारतीय टेस्ट इतिहास की रनों के अंतर से सबसे बड़ी हार थी। पहले मैच में स्पिन ट्रैक पर और दूसरे मैच में बल्लेबाजी के आसान विकेट पर भी टीम संघर्ष करती दिखी।

खिलाड़ियों की मानसिकता पर हमला

श्रीकांत ने मौजूदा कोच गौतम गंभीर पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा, 'हार मानो। यह मत कहो कि कुछ गलत नहीं हुआ। सिस्टम में दिक्कत है। जवाबदेही कौन लेगा?' उन्होंने आगे कहा, 'आपने अभिषेक नायर को निकाल दिया, अब यह खराब प्रदर्शन किसकी जिम्मेदारी है?' श्रीकांत के मुताबिक खिलाड़ियों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'क्या ये बल्लेबाज सात घंटे टिककर मैच नहीं बचा सकते? जीत नहीं सकते तो ड्रॉ तो करा सकते हो!'

भारतीय क्रिकेट का भविष्य

विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों के रिटायरमेंट के बाद नई टीम में अनुभव की कमी साफ नजर आ रही है।

भारत अब स्पिन के खिलाफ कमजोर क्यों?

रविचंद्रन अश्विन ने बताई बड़ी वजह, बोले- ये अचानक नहीं हुआ...

अश्विन के बयान ने भारतीय क्रिकेट सिस्टम पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या भारत को फिर से स्पिन-फ्रेंडली घरेलू क्रिकेट, तकनीकी सुधार और लंबे प्रारूप पर प्राथमिकता लौटानी होगी? इसी का जवाब तय करेगा कि क्या भारत टेस्ट क्रिकेट में अपनी खोई पहचान वापस पा पाएगा या नहीं।

चेन्नई। भारत की टेस्ट क्रिकेट टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली करारी हार के बाद कई सवाल उठ रहे हैं। भारत को गुवाहाटी में 408 रनों से हराकर दक्षिण अफ्रीका ने सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप किया। इस हार ने भारतीय बल्लेबाजों की स्पिन के खिलाफ कमजोरी को उजागर कर दिया। इसी मुद्दे पर बोलते हुए भारत के पूर्व दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि अब भारत दुनिया की सबसे खराब स्पिन खेलने वाली टीमों में से एक बन चुका है।

'भारत स्पिन के खिलाफ सबसे कमजोर टीमों में'

अपने यूट्यूब चैनल पर 'ऐश की बात' में अश्विन ने कहा, 'आज के दौर में हम शायद दुनिया के सबसे कमजोर स्पिन खेलने वाले बल्लेबाजी यूनिट हैं। यह अचानक नहीं हुआ, इसके पीछे वजह है।'

दक्षिण अफ्रीका के ऑफ-स्पिनर साइमन हार्मर ने दो मैचों में 17 विकेट लिए, जबकि केशव महाराज ने छह विकेट झटके। इससे पहले 2024 में न्यूजीलैंड के एजाज पटेल और मिचेल सैंटनर ने भी भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया था।

'न्यूट्रल क्यूरेटर और बदलती पिच फिलॉसफी'

अश्विन ने बताया कि भारतीय घरेलू क्रिकेट की पिचों ने इस गिरावट में बड़ी भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, 'हमारी प्रथम श्रेणी क्रिकेट अब हर जगह न्यूट्रल क्यूरेटर नियंत्रित करते हैं। इसका उद्देश्य बेकार पिचों को रोकना था, लेकिन इसका असर यह हुआ कि हमने स्पिन खेलने की क्षमता खो दी।' उन्होंने कहा कि इस बदलाव से भारतीय टीम विदेशी परिस्थितियों में बेहतर पेस और सीम खेलना सीख गई है, लेकिन स्पिन बल्लेबाजी कमजोर हो गई।

9 जनवरी से शुरू होगा महिला प्रीमियर लीग का चौथा सत्र

नई दिल्ली। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 का गुरुवार को कार्यक्रम जारी हो गया। इस टूनार्मेंट की शुरूआत 9 जनवरी से होगी, जिसका फाइनल मैच 5 फरवरी को खेला जाएगा। डब्ल्यूपीएल के सभी मुकाबले नवी मुंबई और वडोदरा में खेले जाएंगे।

महिला प्रीमियर लीग 2026 का गुरुवार को कार्यक्रम जारी हो गया। इस टूनार्मेंट की शुरूआत 9 जनवरी से होगी, जिसका फाइनल मैच 5 फरवरी को खेला जाएगा। डब्ल्यूपीएल 2026 के सभी मुकाबले नवी मुंबई और वडोदरा में खेले जाएंगे।

नवी मुंबई और वडोदरा में खेले जाएंगे मुकाबले, 5 फरवरी को फाइनल

महिला प्रीमियर लीग के चेयरपर्सन जयेश जॉर्ज ने डब्ल्यूपीएल की मेगा नीलामी में कहा, 'महिला प्रीमियर लीग का आगामी सत्र नवी मुंबई में खेला जाएगा और फाइनल वडोदरा में होगा।' लीग एक बार फिर कारवां मॉडल में खेली जाएगी, टूनार्मेंट का पहला हाफ डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके बाद इसे वडोदरा ले जाया जाएगा, जहां फाइनल 5 फरवरी को होगा।

खिताब का बचाव करने उतरेगी मुंबई

दो बार की विजेता मुंबई इंडियंस गत विजेता के रूप में उतरेगी। हरमनप्रीत कौर की अगुआई में टीम ने दिल्ली कैपिटल्स को फाइनल में हराकर महिला प्रीमियर लीग 2025 का खिताब जीता था। इससे पहले मुंबई 2023 में विजेता बनी थी। वहीं, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने सिर्फ एक बार डब्ल्यूपीएल (2024) का खिताब जीता है।

WOMEN'S PREMIER LEAGUE

कोच सिर्फ टीम बनाता है, गंभीर के समर्थन में उतरे सुनील गावस्कर

गंभीर की आलोचना करने वालों से गावस्कर ने पूछे सवाल

गावस्कर ने कहा, अब जो लोग पूछ रहे हैं कि उन्हें जवाबदेह ठहराया जाए, उनसे मेरा सवाल है कि जब भारत ने गंभीर के नेतृत्व में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी, तब आपने क्या किया था? जब भारत ने उनके नेतृत्व में एशिया कप जीता था, तब आपने क्या किया था? क्या आपने तब कहा था कि आप बर्खास्तगी की मांग कर रहे हैं? क्या आपने तब कहा था कि उन्हें एक विस्तारित अनुबंध दिया जाना चाहिए, वनडे और टी20 क्रिकेट के लिए आजीवन अनुबंध? आपने ऐसा नहीं कहा था। जब कोई टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं करती, तभी आप कोच पर नजर डालते हैं।

नई दिल्ली। गावस्कर ने न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज ब्रेंडन मैकुलम का उदाहरण दिया जो इंग्लैंड के सभी प्रारूप के कोच हैं। उन्होंने कहा कि गंभीर को सभी प्रारूप का कोच बनाने में कुछ गलत नहीं है।

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर मुख्य कोच गौतम गंभीर के समर्थन में उतरे हैं। गावस्कर का कहना है कि कोच का काम टीम बनाना होता है, लेकिन मैदान पर उतरकर प्रदर्शन करना खिलाड़ियों का काम है। भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-2 से हार का सामना करना पड़ा जिसके बाद गंभीर लोगों के निशाने पर आ गए हैं। कुछ फैंस ने तो सोशल मीडिया पर गंभीर को पद से हटाने की मांग तक कर दी है।

गावस्कर ने कहा, 'गंभीर एक कोच हैं और उनका काम टीम तैयार करना है। कोच अपने अनुभव से आपको बता सकता है, लेकिन मैदान पर खिलाड़ियों को ही प्रदर्शन करना होता है।' गावस्कर ने साथ ही कहा कि गंभीर वही कोच हैं जिन्होंने भारत को चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप की ट्रॉफी दिलाने में मदद की, लेकिन अब घरेलू सीरीज हारने पर उनकी आलोचना की जा रही है।

गावस्कर ने मैकुलम का दिया उदाहरण

गावस्कर ने न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज ब्रेंडन मैकुलम का उदाहरण दिया जो इंग्लैंड के सभी प्रारूप के कोच हैं। उन्होंने कहा कि गंभीर को सभी प्रारूप का कोच बनाने में कुछ गलत नहीं है। गावस्कर ने कहा, आपके पास कोच हैं, उदाहरण के लिए ब्रेंडन मैकुलम इंग्लैंड के तीनों प्रारूप के कोच हैं। कई देशों में ऐसे कोच होते हैं जो सभी प्रारूप के लिए मौजूद होते हैं। लेकिन हम अक्सर किसी पर अंगुली तभी उठाते हैं जब टीम हार जाती है।

उन्होंने कहा, आप गंभीर को श्रेय देने को तैयार नहीं हैं। अगर आप उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप जीत का श्रेय देने को तैयार नहीं हैं, तो कृपया मुझे बताइए कि आप टीम के खराब प्रदर्शन के लिए उन्हें क्यों दोष देना चाहते हैं।

जेमिमा ने मंधाना के लिए WBBL छोड़ा

शादी टलने के बाद भारत में रहने का फैसला लिया

मुंबई। जेमिमा रॉड्रिग्स का महिला बिग बैश लीग छोड़कर स्मृति मंधाना के परिवार के साथ रहना क्रिकेट इतिहास के उन पलों में शामिल होगा जहां खेल से ऊपर दोस्ती, प्रतियोगिता से ऊपर इंसानियत और मौके से ऊपर साथ निभाने का मूल्य देखा गया। यह सिर्फ एक निर्णय नहीं बल्कि यह संदेश है कि खिलाड़ी चाहे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कितने भी बड़े हो जाएं, दिल, रिश्ते और मानवीयता हमेशा सबसे बड़ी प्राथमिकता होती हैं।

महिला क्रिकेट जगत में दोस्ती, जज्बात और एकजुटता की मिसाल पेश करते हुए भारतीय क्रिकेटर जेमिमा रॉड्रिग्स ने एक बड़ा निर्णय लिया है। उन्होंने विमेन्स बिग बैश लीग (हइइछ) के बाकी सीजन में वापसी न करने का फैसला किया है ताकि वह अपनी करीबी साथी और भारतीय टीम की स्टार खिलाड़ी स्मृति मंधाना के साथ रह सकें। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब मंधाना के परिवार में अचानक स्वास्थ्य संकट पैदा हुआ और उनकी शादी को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करना पड़ा।

स्मृति मंधाना की शादी टली

कुछ सप्ताह पहले खबर थी कि स्मृति मंधाना 23 नवंबर को म्यूजिक कंपोजर पलाश मुछाल से शादी करने वाली हैं। तैयारियां जोरों पर थीं और भारतीय क्रिकेट समुदाय से लेकर फैंस तक सभी उत्साहित थे, लेकिन इसी बीच हालात बदल गए। स्मृति के पिता श्रीनिवास मंधाना को अचानक दिल से संबंधित समस्या होने पर सांगली के अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके अगले ही दिन पलाश भी बीमार पड़ गए और अस्पताल में भर्ती हुए। हालांकि बाद में पालाश की मां अमिता मुछाल ने जानकारी दी कि अब पलाश मुंबई वापस आ चुके हैं और आराम कर रहे हैं। हालांकि, परिवार ने फिलहाल शादी की सारी तैयारियां रोकने का निर्णय लिया है। इस घटना के बाद स्मृति ने अपने सोशल मीडिया से सभी शादी से जुड़े पोस्ट भी हटा दिए।

जेमिमा रॉड्रिग्स का भावनात्मक फैसला

जेमिमा रॉड्रिग्स हइइछ में ब्रिस्बेन हीट की ओर से खेल रही थीं। वह 10 दिन पहले टीम के मैच के बाद भारत लौट गई थीं, क्योंकि उन्हें पहले से तय कार्यक्रम के अनुसार स्मृति की शादी में शामिल होना था। लेकिन शादी टलने के बाद भी उन्होंने पीछे न लौटकर भारत में रहने का फैसला किया। ब्रिस्बेन हीट द्वारा जारी आधिकारिक बयान में कहा गया, 'ब्रिस्बेन हीट ने जेमिमा रॉड्रिग्स को महिला बिग बैश लीग के बाकी मैचों से बाहर होने की अनुमति दी है। जेमिमा शादी में शामिल होने के लिए भारत लौटी थीं, लेकिन अब वह स्मृति मंधाना और उनके परिवार के साथ रहने के लिए सीजन में वापस नहीं आएंगी।'

क्लब का समर्थन- 'हम उनके फैसले के साथ हैं'

ब्रिस्बेन हीट के सीईओ टेरी स्वेंसन ने इस पूरे मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'यह जेमिमा के लिए कठिन समय रहा है। हमें अफसोस है कि वह लीग में आगे नहीं खेल पाएंगी, लेकिन हम उनके निर्णय का सम्मान करते हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'हम उनकी और स्मृति मंधाना के परिवार की अच्छी सेहत और भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं।' स्वेंसन ने बताया कि जेमिमा ने खिलाड़ियों और फैंस का शुक्रिया भी अदा किया है। स्वेंसन ने कहा, 'जेमिमा ने कहा कि वह वापसी न कर पाने से निराश हैं, लेकिन क्लब और प्रशंसकों के समझने और सहयोग के लिए आभार जताया है।'

जेमिमा और स्मृति : मैदान से बाहर भी गहरी दोस्ती

भारतीय महिला क्रिकेट टीम में स्मृति मंधाना और जेमिमा रॉड्रिग्स की दोस्ती किसी से छिपी नहीं है। दोनों मैदान पर एक-दूसरे का साथ देती हैं और मैदान के बाहर एक परिवार की तरह रहती हैं। ऐसी परिस्थिति में जेमिमा का महिला बिग बैश छोड़ना सिर्फ खेल से जुड़ा फैसला नहीं बल्कि भावनात्मक और मानवीय रिश्ता दशार्ता है।

WBBL में जेमिमा की कमी महसूस होगी

जेमिमा रॉड्रिग्स शानदार फॉर्म में हैं और उन्होंने हाल ही में महिला विश्व कप में कई शानदार पारियां खेली थीं। इस वजह से टूनार्मेंट में उनकी कमी महसूस होगी। वह एक टॉप ऑर्डर बल्लेबाज और फील्डर के रूप में टीम की रणनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की काबीलियत रखती हैं।

10वें संस्करण में रजिस्ट्रेशन का टूटा रिकॉर्ड

बाईचुंग भूटिया ने की औपचारिक शुरूआत

कोलकाता। काउंटडाउन की शुरूआत फुटबॉल स्टार और टाटा स्टील वर्ल्ड 25के रत्न, बाईचुंग भूटिया के 'बाईचुंग्स 10' नामक प्रदर्शनी मैच से हुई। पांच-सदस्यीय इस रोमांचक मुकाबले में आनंदा रन कैटेगरी के नौ पंजीकृत प्रतिभागियों ने फुटबॉल आइकन भूटिया के साथ खेल का मजा लिया।

टाटा स्टील वर्ल्ड 25के कोलकाता के 10वें संस्करण को लेकर राजधानी में उत्साह चरम पर है। भारतीय फुटबॉल के पूर्व कप्तान और आइकन और टाटा स्टील वर्ल्ड 25के रत्न बाईचुंग भूटिया ने वर्षगांठ रन को हरी झंडी दिखाकर कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत की। उल्लेखनीय है कि टाटा 25के, 21 दिसंबर को कोलकाता में आयोजित होगी। काउंटडाउन की शुरूआत फुटबॉल स्टार और टाटा स्टील वर्ल्ड 25के रत्न, बाईचुंग भूटिया के ह्लबाईचुंग्स 10ह्व नामक प्रदर्शनी मैच से हुई। पांच-सदस्यीय इस रोमांचक मुकाबले में आनंदा रन कैटेगरी के नौ पंजीकृत प्रतिभागियों ने फुटबॉल आइकन भूटिया के साथ खेल का मजा लिया। मैदान पर खिलाड़ियों, प्रायोजकों और हस्तियों का जोश देखने लायक था।

ऊर्जा और विविधता कोलकाता की पहचानः भूटिया

भूटिया ने कहा, 10वें वर्षगांठ संस्करण की शुरूआत ह्यभाईचुंग्स 10ह्न से करना मेरे लिए गर्व की बात है। यहां दिखी ऊर्जा और विविधता कोलकाता की पहचान है। मैं सभी को इसमें शामिल होने और इसे यादगार बनाने की अपील करता हूं।

यह केवल एक रेस नहीं हैः रमन

टाटा स्टील के वाइस प्रेसिडेंट (कॉरपोरेट सर्विसेज) डीबी सुंदर रमन ने कहा, रिकॉर्ड सहभागिता बताती है कि कोलकाता किस तरह इस आयोजन को अपनाता है। यह केवल एक रेस नहीं, बल्कि फिटनेस और समुदाय को जोड़ने का पर्व है।

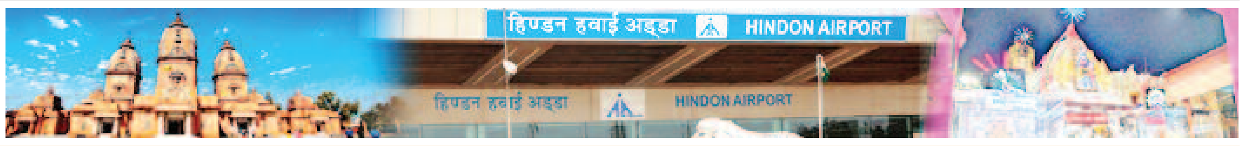

घर-घर से एसआईआर फॉर्म जुटाने लगा नगर निगम, बीएलओ को मिल रही बड़ी सहायता

स्वास्थ्य विभाग व सफाई नायकों की संयुक्त टीमों को लगाया गया फील्ड में, नगर आयुक्त ने सहयोग की अपील की

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को गति देने के लिए नगर निगम ने स्वास्थ्य विभाग की टीमों को भी फील्ड में उतार दिया है। अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारी एवं नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देशन में सेनेटरी एवं फूड इंस्पेक्टरों के नेतृत्व में सफाई नायकों की टीमें बीएलओ के सहयोग में घर-घर जाकर एसआईआर फॉर्म एकत्र कर रही हैं।

नगर आयुक्त ने बताया कि मतदाता सूची के अद्यतन एवं डिजिटाइजेशन कार्य को समय पर पूरा कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग की फील्ड टीमों का सहयोग लिया जा रहा है। नगर निगम की ओर से 41 कर्मचारी बीएलओ के रूप में तैनात हैं, जबकि 150 से अधिक सफाई नायक पुनरीक्षण कार्य में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। पूरे अभियान की मॉनिटरिंग प्रभारी निर्वाचन डॉ. अनुज तथा वरिष्ठ प्रभारी निर्वाचन अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव कर रहे हैं।

नगर आयुक्त ने सभी फील्ड टीमों को निर्देश दिए हैं कि अगले तीन दिनों के भीतर अधिकतम घरों से एसआईआर फॉर्म भरवाकर बीएलओ को सौंपे जाएँ, ताकि विशेष गहन पुनरीक्षण का पूरा कार्य समयबद्ध रूप से सम्पन्न हो सके।

मतदाताओं से सहयोग की अपील, डिजिटाइजेशन प्रक्रिया होगी तेज

करंट क्राइम। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत निगम टीम, बीएलओ और मतदाताओं के बीच समन्वय स्थापित कर रही है। नगर आयुक्त ने नागरिकों से अपील की कि वे एसआईआर फॉर्म भरकर अपने सफाई नायक या बीएलओ को अवश्य उपलब्ध कराएँ, ताकि डिजिटाइजेशन कार्य तेजी से आगे बढ़ सके।

सभी जोनों में अभियान की रफ्तार बढ़ी, तीन दिन में लक्ष्य पूरा करने के निर्देश

करंट क्राइम। नगर निगम सीमा के पाँचों जोन और इंदिरापुरम क्षेत्र में अभियान को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। मोहन नगर जोनल प्रभारी सुशील प्रताप सिंह लगातार बीएलओ से संपर्क बनाए हुए हैं और क्षेत्र में एसआईआर फॉर्म भरवाने व भरे हुए फॉर्म बीएलओ तक पहुँचाने की प्रक्रिया को गति दे रहे हैं।

10 दिन बाद भी फॉर्म भरकर नहीं दे रहे लोग, बीएलओ लगा रहे घरों के चक्कर

नोएडा। विशेष पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के तहत बीएलओ मतदाताओं को घर-घर जाकर फॉर्म बांट रहे हैं और अब उन्हें जमा करने का काम शुरू किया गया है। लेकिन स्थिति यह है कि कई मतदाता 10 दिन बीत जाने के बाद भी अपना फॉर्म नहीं भर पाए हैं। ऐसे में बीएलओ को बार-बार उन्हीं घरों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। सेक्टर-34 की बीएलओ ने बताया कि अभियान को लेकर अधिकांश लोग जागरूक हो चुके हैं, लेकिन कई ऐसे हैं जिन्होंने अब तक फॉर्म नहीं भरा है। बीएलओ की ओर से फॉर्म घर तक पहुंचाए जा चुके हैं, लेकिन जब लेने जाते हैं तो मतदाता कहते हैं कि अभी फॉर्म भरा नहीं है, बाद में आना। बीएलओ को पहले फॉर्म बांटने के लिए लोगों का पता खोजने में कठिनाई हुई। अब जब फॉर्म लेने जा रहे हैं तो कई लोग लास्ट डेट का इंतजार कर रहे हैं। कुछ लोग पूछते हैं कि अंतिम तारीख कब है, वहीं कुछ कहते हैं कि वे घर पर नहीं थे।

भगवान से परमीशन लेकर दान पात्र तोड़कर पैसे ले गया था चोर

मंदिर मौहल्ले का है और मंदिर के हल्ले पुलिस-थाने तक जा पहुंचे। मंदिर राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार वालों के क्षेत्र में आता है। स्कूटी और बाईक पर सवार होकर भक्तों के वेश में चोर आये और मंदिर का दान-पात्र तोड़कर नकदी थैले में समेटी और फरार हो गये। भगवान देखते रहे और सीसीटीवी कैमरा रिकार्डिंग करता रहा। कमाल ये हुआ कि जिस सूबे के सीएम ही साधू हैं। उस सूबे के जिले की पुलिस ने पहले तो रिपोर्ट लिखने में ही जमकर आना-कानी की। समाजसेवियों ने जब धरने का ऐलान किया तब जाकर कहीं एफआईआर दर्ज हुई। पता चला कि पहले भी तीन बार यहां चोरी हो चुकी है। लेकिन चोरी का एक किस्सा गजब का दिलचस्ब है। किस्सा वीडियो फुटेज में भी दर्ज है। चोर आया था और उसने दान-पात्र तोड़ने के लिए पूरा जोर लगाया था। जब दान-पात्र नहीं टूटा तब उसने भगवान के आगे ही शीश नवाया था। प्रार्थना की थी कि प्रभु कुछ धन की आवश्यकता है और फिर इसके बाद दान पात्र का ताला पहले ही वार में टूट गया। पुलिस ने जब चोर को पकड़ा तो उसने साफ कहा कि मैंने चोरी से पहले भगवा से परमीशन ली थी और उन्हें बताया था कि मुझे आवश्यकता है। लिहाजा दरोगा जी इस बात पर करें गौर की यहां भगवान से परमीशन लेकर दान-पात्र तोड़ लेते हैं चोर। मंदिर वाले भी थोड़ा तो पेशेंस रखें, ये क्या बात हुई कि इधर चोरी हुई और उधर मंदिर में ताले लगाने की घोषणा हो गई। ऐसा ना हो पुलिस पूछ-ताछ के आरोप में पूजारियों को ही लाल कर दे।

जब मिलेगा भीड़ वाला टारगेट तो पार्षद खुद को कर लेगा हाउस अरेस्ट

जीरो टॉलरेंस की सरकार में अब भाजपा के देवतुल्यों का पेशेंस जवाब देने लगा है। उन्हीं की सरकार है, उन्हीं के सीएम आयेंगे तो सीएम के कार्यक्रम में वो ही नहीं जा पायेंगे। जिस कार्यकर्ता को मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में होना है उस कार्यकर्ता के घर रात को पुलिस आ जायेगी। फूल वाले को वो फील करायेगी कि तुम या तो समाजवादी हो या कांग्रेसी हो, या फिर बसपाई हो। मगर मेरे दोस्त तुम किसी ऐंगल से हमारी निगाह में नहीं भाजपाई हो। सरकार के पार्षदों को पुलिस सीएम के आने पर हाउस अरेस्ट कर रही है। संगठन खामोश है, जनप्रतिनिधि खामोश हैं। आखिर कोई ये तो बतायेगा कि हाउस अरेस्ट किस जुर्म में किया जा रहा है। क्या पार्षद जनप्रतिनिधि नहीं है। क्या पार्षद देवतुल्य कार्यकर्ता नहीं है या पार्षद ने मुद्दे को उठाकर कोई गुनाह कर दिया। अब किसी रोज ये भी होगा कि जब इलैक्शन के टाईम भीड़ जुटाने की बेला आयेगी और पार्षदों को टारगेट मिलेगा तो ये वाला पार्षद उस दिन स्वयं ही खुद को हाउस अरेस्ट कर लेगा।

मोरटा वालों और हिंडन विहार वालों की भी आयेगी हाथी से उतरने की बारी

पोलिटिक्ल मंदी के दौर में भी नीला हाथी अपने महावतों को झटके दे रहा है। किसी को सूंड में उठाकर पटक रहा है तो किसी को खदेड़ रहा है। राईन साहब के साथ भी फाईन नहीं हुआ और मामला तो ओके का भी ओके नहीं रहा। जिला अध्यक्ष वाले सीन में इतनी तेज फिल्म चली कि पता ही नहीं चला कि आज कौन जिलाध्यक्ष है और कल कौन रहेगा। बात महावतों में ही चली तो यहां पर नीले महावत ने ही कहा कि आप चिंता मत करो, जनवरी आ रही है। सबका बुखार उतरेगा। बर्थडे वाला टारगेट पूरा करना वैसे ही कड़ा काम है। उन्होंने एक सिरे से नाम गिनाये और कहा कि कुछ खुद चले गये, कुछ को हाथी ने भगा दिया। बस ये दो ऐसे हैं जिन्होंने पूरी वफा निभाई है और कभी हाथी को दगा नहीं दिया। लेकिन साहब ये दगा दें या ना दें। मगर हाथी किसी का सगा नहीं हुआ। आप लिखकर रख लो। मोरटा वालों से लेकर हिंडन विहार वालों की भी बारी आयेगी। वो कितना अहद-ए-वफा निभा लें मगर नंबर आना ही आना है।

गणना प्रपत्र भरने में देरी न करें, यह सभी के लिए जरूरी : उप जिलाधिकारी अरुण दीक्षित

गाजियाबाद, करंट क्राइम। साहिबाबाद विधानसभा क्षेत्र में निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं उप जिलाधिकारी अरुण दीक्षित ने बुधवार को एसआईआर की प्रगति का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बीएलओ से कार्यों की जानकारी ली और खुद माइक से घोषणा कर क्षेत्रवासियों को गणना प्रपत्र समय पर भरने के लिए जागरूक किया।

उप जिलाधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता केवल चुनावी प्रक्रिया की आवश्यकता नहीं, बल्कि हर मतदाता का अधिकार और दायित्व भी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि बीएलओ का सहयोग करें, और यदि गणना प्रपत्र भरने में कोई असुविधा हो तो सीधे बीएलओ से सहायता प्राप्त करें। अरुण दीक्षित ने स्पष्ट कहा–गणना प्रपत्र भरने में बिल्कुल भी देरी न करें। यह प्रक्रिया सभी के लिए आवश्यक है, और आपकी सही प्रविष्टि ही आपकी मतदाता पहचान को सुरक्षित रखती है। निरीक्षण के दौरान बीएलओ ने उप जिलाधिकारी को बताया कि अधिकांश क्षेत्रों में फॉर्म भरवाने का कार्य तेजी से चल रहा है और मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है।

सर्व दलीय बैठक में पेश किए गए आंकड़ों पर बसपा ने उठाए सवाल

जब 98.98 प्रतिशत फार्म बांटे जा चुके हैं तो फिर बैठक बुलाने का क्या औचित्य

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी एसआईआर को लेकर जिला प्रशासन ने गुरुवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई थी। इस बैठक में बीजेपी, समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष समेत कई दलों के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में एसआईआर अभियान को लेकर विचार विमर्श किया गया। प्रशासन की ओर से बताया गया कि जनपद गाजियाबाद शहरी क्षेत्र होने के कारण बीएलओ को मतदाताओं के पते पर पहुंचने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है, जिस कारण उक्त कार्य प्रभावित हो रहा है। सभी राजनीतिक दलों को एस आई आर अभियान में सहयोग करने की अपील की गई। बहुजन समाज पार्टी की तरफ से जिला अध्यक्ष मनोज जाटव व वरिष्ठ कार्यकर्ता पंकज शर्मा शामिल हुए। बैठक में प्रशासन की ओर से विवरणिका प्रस्तुत की गई जिसमें अब तक हुए अभियान की जानकारी दी गई।

विवरणिका में बताया गया कि सभी

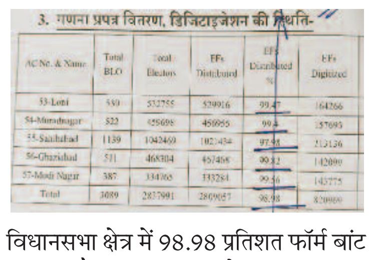

3. गणना प्रपत्र वितरण, डिजिटाइजेशन की स्थिति-

AC No. & Name	Total BLO	Total Electors	EFs Distributed	EFs Distributed %	EFs Digitized
53-Loni	530	532755	529916	99.47	164266
54-Muradnagar	522	455698	456955	99.4	157695
55-Sahibabad	1139	1042469	1021434	97.98	213136
56-Ghaziabad	511	468304	457458	99.32	142099
57-Modi Nagar	387	334765	333284	99.56	145775
Total	3089	2837991	2809057	98.98	820989

विधानसभा क्षेत्र में 98.98 प्रतिशत फॉर्म बांट दिए गए हैं। इस पर बसपा के जिला अध्यक्ष मनोज जाटव ने सवाल उठाते हुए कहा कि जब प्रशासन की ओर से 98.98 प्रतिशत फॉर्म बांटे जाने के आंकड़े पेश किए जा रहे हैं तो बीएलओ के नहीं पहुंच पाने का सवाल कहां पैदा होता है। प्रशासन अपने ही पत्र के माध्यम से चिंता व्यक्त कर रहा है कि की बीएलओ घर-घर नहीं जा पा रहे।

बसपा के वरिष्ठ नेता पंकज शर्मा ने कहा कि अगर प्रशासन 98.98 प्रतिशत फॉर्म मतदाता को दे चुका है तो शायद जिला निर्वाचन आयोग को किसी प्रकार की बैठक की आवश्यकता ही नहीं थी। एक तरफ प्रशासन बैठक में मौखिक रूप से 60 से 70 प्रतिशत फार्म बांटे जाने की बात कह कर पॉलीटिकल पार्टी से मदद मांगने की बात कर रहा है, दूसरी तरफ कागजों में 98.98 प्रतिशत फॉर्म बांटे जाने की घोषणा कर रहा है। अगर बीएलओ द्वारा 98.98 प्रतिशत फॉर्म मतदाताओं तक पहुंचा दिए गए हैं तो इसका मतलब वह निश्चित पते तक पहुंच चुके हैं, जबकि जमीनी स्तर पर 50 से 60% मतदाताओं तक फॉर्म पहुंचे हैं। यही बहुजन समाज पार्टी की सबसे बड़ी चिंता है जिसके लिए जिला निर्वाचन आयोग के माध्यम से चुनाव आयोग से समय बढ़ाए जाने की अपील की गई है।

बहुजन समाज पार्टी ने जिलाधिकारी को अपनी चिंता व्यक्त करते हुए निवेदन किया कि चुनाव आयोग द्वारा 4 दिसंबर तक का समय मतदाताओं को दिया है। ऐसै में सभी बीएलओ को निर्देश दिया जाए कि ऐसे गणना प्रपत्र जो अभी तक मतदाता तक नहीं पहुंच पाए हैं उनका अंतिम तिथि तक बीएलओ के माध्यम से मतदाता तक पहुंचाने के प्रयास जारी रखें।

विकास प्राधिकरण ने मधुबन बापूधाम में किसानों से किया वादा पूरा

370 प्रभावित किसानों को लॉटरी के जरिए दिए आवासीय प्लॉट

800 एकड़ अधिग्रहित भूमि पर प्रथम चरण का आवंटन सम्पन्न, शुक्रवार को 277 किसानों के लिए दूसरी लॉटरी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। मधुबन बापूधाम आवासीय योजना से जुड़े किसानों के लिए गुरुवार का दिन ऐतिहासिक बन गया। भूमि अधिग्रहण के समय किसानों से किया गया वह वादा, जिसमें उन्हें 6/4 प्रतिशत विकसित आवासीय भूखण्ड देने की बात कही गई थी, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने पूरी पारदर्शिता के साथ निभा दिया। हिंदी भवन, लोहिया नगर में आयोजित लॉटरी ड्रॉ में 370 किसानों को आवासीय भूखण्ड आवंटित किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता अपर सचिव ने की, जबकि विशेषकार्याधिकारी, संयुक्त सचिव, प्राधिकरण अधिकारी और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

जीडीए की योजना संख्या 791 (2010) और योजना संख्या 828 (2013) के तहत अधिग्रहित 800 एकड़ भूमि के सापेक्ष किसानों को यह विकसित प्लॉट दिए जा रहे हैं। लंबे समय से प्रतीक्षा कर रहे किसानों के लिए यह आवंटन न सिर्फ राहत लेकर आया, बल्कि यह भरोसा भी मजबूत किया कि प्राधिकरण अपनी घोषणाओं पर कायम है।

शुक्रवार को दूसरा चरण–277 किसानों की बारी : जीडीए ने घोषणा की है कि आगामी शुक्रवार को शेष 277 पात्र किसानों के लिए भी लॉटरी ड्रॉ आयोजित किया जाएगा। इस चरण में 150 वर्ग मीटर से लेकर 2382 वर्ग मीटर तक के भूखण्ड शामिल होंगे।

जीडीए ने दोहराई पारदर्शिता और जनहित की नीति : प्राधिकरण के अधिकारियों ने कहा कि जीडीए सदैव पारदर्शिता, न्याय और जनहित के सिद्धांतों पर काम करता है। किसानों के हितों की सुरक्षा और विकास योजनाओं के सुचारू संचालन को संस्था अपनी प्राथमिक जिम्मेदारी मानती है। मधुबन बापूधाम परियोजना से जुड़े किसानों के लिए गुरुवार का दिन सिर्फ प्लॉट आवंटन का नहीं, बल्कि विश्वास बहाली और वादे निभाए जाने का प्रतीक भी रहा।

ड्रॉ में कुल 372 प्लॉट आवंटित – तीन आकारों में वितरण

लॉटरी प्रक्रिया के परिणाम में आज जिन भूखण्डों का आवंटन हुआ, वे इस प्रकार हैं–

40 वर्ग मीटर – 162 प्लॉट
60 वर्ग मीटर – 90 प्लॉट
90 वर्ग मीटर – 120 प्लॉट

इस प्रकार कुल 372 भूखण्ड आवंटित हुए, जिनसे 370 किसानों को उनका विकसित प्लॉट प्राप्त हुआ।

देर रात शराब न देने पर ठेके में तोड़फोड़

गाजियाबाद। कविनगर थानाक्षेत्र में बुधवार देर रात शराब देने से इनकार करने पर दो गाड़ियों में आए लोगों ने सेल्समैन से मारपीट की। इतना ही नहीं, दरवाजा तोड़कर ठेके में घुसे आरोपियों ने करीब 40 हजार रुपये की शराब की बोतलें तोड़ डालीं। सारी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस का कहना है कि सेल्समैन की शिकायत मिली है। मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी। थाना हस्तिनापुर जिला मेरठ के गांव गजपुरा में रहने वाले ब्रजपाल ने कविनगर थाने में दी शिकायत में बताया कि वह हापुड़ रोड स्थित पंचशील कॉलोनी के पास स्थित शराब ठेके पर सेल्समैन की नौकरी करता है रात में देखरेख के लिए ठेके में ही सोता है। रात करीब साढ़े 11 बजे खाना खाने के बाद वह अपने साथियों मोनू कुमार और रिंकू सिंह के साथ टहल रहा था। आरोप है कि इसी दौरान सात-आठ लड़के आए उनसे शराब मांगने लगे। रात दस बजे तक ही शराब मिलने की बात कहने पर आरोपी तैश में आ गए और उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। ब्रजपाल का कहना है कि विरोध करने पर आरोपियों ने उसके व उसके साथियों के साथ मारपीट शुरू कर दी। इतना ही नहीं, दुकान की साइड वाला गेट तोड़कर आरोपी अंदर घुस आए और शराब की बोतलें फर्श पर फेंककर तोड़नी शुरू कर दीं। दो गाड़ियों में आए थे आरोपी ब्रजपाल का कहना है कि हमला करने वाले आरोपी दो गाड़ियों में आए थे। उनमें से एक गाड़ी का नंबर नोट कर लिया, जबकि दूसरी गाड़ी पर नंबर प्लेट नहीं थी। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी गोली मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। ब्रजपाल का कहना है कि सारी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। आरोपियों के जाने के बाद उसने डायल-112 पर सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जेवर में तैयार हो रहे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का स्थलीय निरीक्षण किया। भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसोदिया भी इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ रहे। सत्येंद्र सिसोदिया ने इन पलों को अपनी फेसबुक पोस्ट पर साझा किया। उनकी यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

अगर दिसम्बर महीने की पहली तारीख तक नहीं हुआ चोरी का खुलासा

2 दिसंबर को मंदिर समिति वाले डाल देंगे मंदिर पर ताला और करेंगे हनुमान चालीसा का पाठ

गाजियाबाद, करंट क्राइम। संजय नगर स्थित हनुमान मंदिर में 25 नवंबर की रात्रि को मंदिर के तीन दान पत्र तोड़कर लाखों रुपए चोरी कर लिए गए। इससे पहले भी मंदिर में दान पत्र को तोड़कर चोरी करने दो वारदातें हो चुकी हैं और आज तक भी अपराधी नहीं पकडे गए। मंदिर ट्रस्ट ने इस सम्बंध में गुरूवार को प्रेस वार्ता कर चेतावनी दी कि यदि जल्द ही अपराधियों को नहीं पकड़ा गया तो मंदिर को बंद कर मंदिर के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ किया जाएगा। ट्रस्ट के अध्यक्ष वीके अगवाल व मीडिया प्रभारी बी के शर्मा हनुमान ने बताया कि 25 नवंबर की रात्रि को तीन चोरों ने मंदिर के तीन दान पत्र तोड़कर लाखों रुपए चोरी कर लिए। सीसीटीवी में वे करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इससे पहले भी मंदिर में दान पत्र को तोड़कर चोरी करने की दो वारदातें हो चुकी हैं। पहली घटना फरवरी 2022 को हुई थी जिसकी रिपोर्ट थाना कवि नगर में दर्ज कराई गई थी, लेकि चोरी का कोई खुलासा नहीं हुआ। इसके बाद दूसरी घटना भी वर्ष 2022 में हुई थी और उसकी भी रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। तीसरी घटना 25 नवंबर को हुई है। इसके अलावा दो अन्य घटनाओं में दो बार मंदिर से चोर रंगे हाथों पकड़े गए हैं। बार-बार चोरी होने के बाद भी पकडे ना जाने से चोरों के हौसले बुलंद है तथा मंदिर को असुरक्षित महसूस करते हुए श्रद्धालु भयभीत हैं। अतः ट्रस्ट ने यह निर्णय लिया है कि यदि अपराधियों को नहीं पकड़ा गया तो आगामी मंगलवार 2 दिसंबर से संजय नगर स्थित हनुमान मंदिर को असुरक्षित मानते हुए अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया जाएगा तथा मंदिर के बाहर दरी बिछाकर हनुमान चालीसा का पाठ किया जाएगा। वारदात खुलने एवं चोरी हुआ पैसा वापस होने तक मंदिर के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ जारी रहेगा। सुरेंद्र त्यागी कोषाध्यक्ष शिव कुमार शर्मा महामंत्री योगेश कौशिक वैभव त्यागी प्रदीप गर्ग गजेंद्र शर्मा अंकुर अग्रवाल डॉ नीरज गर्ग हरिओम त्यागी इंद्रेश तिवारी मुनेश देवी शर्मा सुरेंद्र तिवारी डॉक्टर हरीश शर्मा विपिन गोयल, अक्षय दीक्षित, वैभवठाकुर, विवेक ठाकुर, शिवांशु शर्मा, पवन गिरी, अरुण शर्मा, सुमित शर्मा, सपिनशर्मा, राहुल शर्मा, प्रशांत त्यागी, विशाल श्रीवास्तव, वंदना ठाकुर, आरसी शर्मा आदि भी मौजूद थे।

जब भाजपा पार्षद को कर लिया पुलिस ने फिर से हाउस अरेस्ट

पुलिस को पिलायी चाय और खुद बैठकर किया एसआईआर का काम

गाजियाबाद करंट क्राइम। एक बार फिर भाजपा पार्षद नीरज गोयल के लिए मुख्यमंत्री का आना हाउस अरेस्ट का सम्मन लेकर आ गया। मुख्यमंत्री को गुरूवार को आना था लेकिन बुधवार की रात को ही दरोगा जी का फोन पार्षद नीरज गोयल के पास आ गया। चौकी इंचार्ज ने पार्षद की लोकेशन पूछी तो उन्होंने कहा कि मैं शादी में हूं। दरोगा ने कहा कि आप होम अरेस्ट हैं। लिहाजा कहीं नहीं जाना है। इसके बाद सुबह 7 बजे पुलिस पार्षद के घर पहुंच गई। पार्षद भी आराम से नहा-धोकर नाश्ता कर तैयार हुआ। फिर पुलिस की निगरानी में ही वो अपने कार्यालय जाने के लिए स्कूटी पर सवार हुए। पार्षद अपने कार्यालय पहुंचे और यहां पर पुलिस और पार्षद दोनों ने ही अपनी अपनी ड्यूटी निभाई। पुलिस ने पार्षद के कार्यालय में डेरा डाल दिया और इस बात को सुनिश्चित किया कि पार्षद जी यहां से कहीं ना जायें। पार्षद ने भी देवतुल्य भाव से हाउस अरेस्ट होने के बाद भी एसआईआर का काम संभाला और इधर पुलिस अपनी ड्यूटी पर और उधर पार्षद अपनी ड्यूटी पर लग गये। दोपहर 3 बजे तक दोनों पक्ष अपने अपने फर्ज को निभाते रहे। हाउस अरेस्ट के बीच भी मान-सम्मान और आतिथ्य का भाव रहा। पार्षद नीरज गोयल ने अपने कार्यालय पर हाउस अरेस्ट करने के लिए पहुंचे पुलिस कर्मियों के लिए चाय पिलाई, ब्रेड पकौडे खिलाये। हाउस अरेस्ट वाली अवधि पूरी हुई तो दोनों पक्ष एक दूसरे की निगरानी से मुक्त हुए।

चीन को ट्रंप ने दी बड़ी राहत, सोलर पैनल मशीनों जैसे उत्पादों पर बढ़ाई टैरिफ छूट

उत्पादों पर आयात शुल्क नहीं लगेगा या काफी कम हो जाएगा, जिससे अमेरिकी कंपनियों और उपभोक्ताओं को लागत में काफी राहत मिलेगी

बीजिंग। अमेरिका ने चीन से आने वाले 178 औद्योगिक और मेडिकल उत्पादों पर लगाई गई टैरिफ छूट को लगभग एक साल और बढ़ाने का फैसला किया है। ये छूटें पहले 29 नवंबर 2025 को खत्म होने वाली थीं, लेकिन अब इन्हें 10 नवंबर 2026 तक बढ़ा दिया गया है। यह जानकारी अमेरिका के यूएस ट्रेड रिप्रजेंटेटिव ऑफिस ने बुधवार को दी।

अमेरिका ने चीन के 178 औद्योगिक और मेडिकल उत्पादों पर टैरिफ छूट को करीब एक साल बढ़ा दिया है। ये सभी छूट 29 नवंबर को खत्म होने वाले थे। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस फैसले से अमेरिका-चीन के बीच व्यापार में कई महीनों से जारी तनाव थोड़ा कम हुआ है।

किन–किन क्षेत्र के उत्पादों को राहत?

यह फैसला ऐसे समय आया है जब अमेरिका और चीन के बीच नवंबर की शुरूआत में व्यापार और आर्थिक मुद्दों पर समझौता हुआ था। इन छूटों में सोलर पैनल बनाने वाली मशीनों से जुड़े 14 उत्पाद और 164 अन्य औद्योगिक और मेडिकल उत्पाद जैसे शामिल हैं।

इसमें इलेक्ट्रिक मोटर, ब्लड प्रेशर मॉनिटर, पंप पार्ट्स, ऑटो एयर कंप्रेसर, प्रिंटेड सर्किट बोर्ड भी शामिल हैं। अब इन उत्पादों पर आयात शुल्क नहीं लगेगा या काफी कम हो जाएगा, जिससे अमेरिकी कंपनियों और उपभोक्ताओं को लागत में काफी राहत मिलेगी।

'सेक्शन 301' जांच पर चीन की प्रतिक्रिया

पहले भी चीन ने 'सेक्शन 301' जांच को राजनीतिक करार दिया था। चीन के वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा था कि अमेरिका इस जांच के जरिए सामान्य व्यापार को राजनीतिक रंग दे रहा है, जो पूरी तरह गलत और मनमाना फैसला है। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) ने भी पहले यह फैसला दिया था कि अमेरिका द्वारा लगाए गए ये 'सेक्शन 301' टैरिफ डब्ल्यूटीओ नियमों के खिलाफ हैं।

अमेरिकी फैसले का क्या मतलब?

अमेरिका के इस फैसले से यह साफ है कि अमेरिका–चीन के बीच व्यापार में तनाव थोड़ा कम हुआ है। अमेरिकी उद्योगों को सस्ते चीनी मशीन, मेडिकल उपकरण और टेक्नोलॉजी मिलते रहेंगे। सोलर उद्योग को यह कदम बड़ी राहत देगा, क्योंकि उत्पादन लागत कम होगी।

जिनपिंग से बातचीत के बाद बदले ट्रंप के तेवर

जापान की पीएम को ताइवान मुद्दे पर नरम रुख रखने के लिए कहा

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जापान की प्रधानमंत्री सनाए तकाइची से एक हालिया फोन बातचीत में ताइवान को लेकर रुख में नरमी बरतने के लिए कहा है। गौरतलब है कि ट्रंप ने हाल ही में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से फोन पर बात की थी। इसमें जिनपिंग ने ताइवान का मुद्दा उठाया था। इसके बाद ही ट्रंप की तरफ से जापान की पीएम को यह हिदायत दी गई है।

अमेरिकी अखबार 'द वॉल स्ट्रीट जर्नल' की रिपोर्ट के मुताबिक, जापान की पीएम ने हाल ही में चीन पर निशाना साधा था और ताइवान को लेकर बयान दिया था। तकाइची ने संसद में इशारा किया था कि ताइवान पर चीन का किसी भी तरह का हमला जापानी सुरक्षाबलों क कार्रवाई करने पर मजबूर कर सकता है। हालांकि, उनके इस बयान पर चीन की ओर से नाराजगी जाहिर की गई थी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन-जापान के बीच इस टकराव के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने खुद तकाइची से बीजिंग के रुख को लेकर बात की।

उन्होंने जापानी पीएम को अपना रुपख नरम करने के लिए कहा। हालांकि, जापान के क्योदो न्यूज के मुताबिक, ट्रंप ने इस फोन के दौरान तकाइची को चीन के साथ राजनयिक टकराव कम करने पर जोर देने के लिए कह दिया है।

क्योदो के मुताबिक, जापान के अधिकारी ट्रंप के इस संदेश से चौंक गए हैं और माना जा रहा है कि ट्रंप अब चीन के साथ रिश्ते बेहतर करने के दौर में ताइवान के मुद्दे को खास तरजीह नहीं देना चाहते। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और जापान की पीएम तकाइची के बीच सोमवार की रात को फोन पर बात हुई थी। इस वार्ता के बाद ट्रंप ने पत्रकारों को बताया था कि उनकी जबरदस्त बातचीत हुई है और उन्हें भरोसा है कि जापान और चीन ठीक कर रहे हैं। ट्रंप और तकाइची की बातचीत शी जिनपिंग से हुई वार्ता के कुछ ही समय बाद हुई थी।

फ्रांस और भारत ने दुनिया को दिखाई अपनी ताकत

वायुसेनाओं के साझा अभ्यास में गरजे लड़ाकू विमान

मोंट-डी-मार्सन । भारतीय वायुसेना ने एक्स पर कुछ शानदार तस्वीरें और वीडियो साझा करते हुए लिखा कि भारतीय वायुसेना और फ्रांस की एयर एंड स्पेस फोर्स मिलकर उच्च स्तर के मिशन प्रोफाइल पर काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि पेशेवराना अंदाज, सटीकता और मिलकर काम करने की क्षमता इस साझेदारी को और मजबूत बना रही है।

भारत और फ्रांस की वायु सेनाएं इन दिनों फ्रांस में चल रहे द्विपक्षीय वायु सैन्य अभ्यास 'गरुड़ 2025' में एक साथ कई तरह के ऑपरेशन कर रही हैं। इस संयुक्त अभ्यास का उद्देश्य दोनों देशों की सेनाओं के बीच तालमेल और युद्धक क्षमता को और मजबूत बनाना है। यह अभ्यास का 8वां संस्करण है, जो 16 नवंबर से फ्रांस के मोंट-डी-

मार्सान एयरबेस पर चल रहा है और 27 नवंबर को समाप्त होगा। वहीं एक्स पर एक पोस्ट में भारतीय वायुसेना ने लिखा- तेज ऑपरेशनल रफ्तार बनाए रखते हुए, भारतीय वायुसेना और फ्रांस एयर एंड स्पेस फोर्स क्रू एक साथ मिलकर काम कर रहे हैं, अलग-अलग मिशन प्रोफाइल को पूरा कर रहे हैं और बहुत अच्छी काबिलियत दिखा रहे हैं। प्रोफेशनलिज्म, सटीकता और मिलकर काम करने वाला टीमवर्क इंटरऑपरेबिलिटी को और मजबूत कर रहा है और इस दोतरफा पार्टनरशिप की ताकत को और मजबूत कर रहा है।

हांगकांग के इतिहास का सबसे बड़ा अग्निकांड, 55 लोगों की मौत

'निर्माण कार्य के चलते बंद थीं खिड़कियां, आग लगने का पता ही नहीं चला'

हांगकांग। ब्लॉक 1 में रहने वाले टोंग पिंगमोन ने बताया कि अग्निशमन दल के एक सदस्य ने उनका दरवाजा खटखटाकर उन्हें चेताया था, लेकिन उन्हें लगा कि पड़ोस की इमारत में आग लगी है, लेकिन उनकी इमारत सुरक्षित रहेगी। लेकिन जल्द ही हालात काबू से बाहर हो गए।

दुनिया के शीर्ष वित्तीय केंद्रों में से एक हांगकांग अपने इतिहास के सबसे बड़े अग्निकांड से जूझ रहा है। अब तक इस अग्निकांड में 55 लोगों की मौत हो चुकी है और 279 लोग लापता हैं। आग ने रिहायशी ब्लॉक की कई इमारतों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में 68 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से कई की हालत गंभीर है। लोगों ने अपने आशियानों को जलते देखा, जिसके चलते कई लोग बेघर होने से बदहवास हैं और अपने भविष्य को लेकर चिंताओं से घिरे हैं।

आशियाना खोने से बदहवास हुए लोग

एक स्थानीय महिला शर्ली चान ने कहा कि 'लोगों का अपने घरों को जलते देखना हृदयविदारक है। मैं लोगों का दर्द समझ सकती हूं। मेरे पास कहने के लिए शब्द नहीं हैं।' एक अन्य चश्मदीद 65 वर्षीय युएन ने कहा कि 'वे यहां बीते 40 वर्षों से रह रहे थे। उनके पड़ोस में अधिकतर बुजुर्ग लोग रहते थे, जो चल-फिर नहीं सकते थे। अब आग में उनका भी घर तबाह हो गया है और अब वे और उनकी पत्नी बेघर हो गए हैं।'

निर्माण कार्य के चलते लोगों को आग लगने का पता ही नहीं चला

युएन ने बताया कि 'निर्माण कार्य के चलते खिड़कियां बंद थीं, जिसके चलते कई लोगों को आग लगने का पता ही नहीं चला। ब्लॉक 1 में रहने वाले टोंग पिंगमोन ने बताया कि जब उन्हें जलने की गंध आई, तब उन्हें आग लगने का पता चला। अग्निशमन दल के एक सदस्य ने उनका दरवाजा खटखटाकर उन्हें चेताया था, लेकिन उन्हें लगा कि पड़ोस की इमारत में आग लगी है, लेकिन उनकी इमारत सुरक्षित रहेगी। जल्द ही हालात काबू से बाहर हो गए और उनकी इमारत भी आग की लपटों से घिर गई।

थाईलैंड में बाढ़ से तबाही, 80 पार पहुंचा मौतों का आंकड़ा

बैंगकॉक । थाईलैंड के दक्षिणी इलाके में आई भीषण बाढ़ ने हफ्ते भर में बड़ी तबाही मचा दी है। भारी बारिश से शुरू हुई प्राकृतिक आपदा ने 12 प्रांतों में जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया और अब तक 80 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। प्रशासन ने गुरुवार को बताया कि कई इलाकों में पानी उतरने लगा है, लेकिन कुछ क्षेत्रों में हालात अभी भी गंभीर बने हुए हैं। बाढ़ के चलते लाखों लोग प्रभावित हुए हैं और जनजीवन पर इसका व्यापक असर पड़ा है।

आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार करीब 10 लाख घरों और 30 लाख से अधिक लोगों पर बाढ़ का असर पड़ा है। नखोन सी थम्मारात, फात्तालुंग, सोंगख्ला, त्रांग, सतुन, पट्टानी और याला में सबसे ज्यादा तबाही हुई है। गुरुवार सुबह कई जिलों में पानी घटने लगा, लेकिन पट्टानी और नखोन सी थम्मारात में

पानी का स्तर अब भी ऊंचा है, जिससे राहत कार्यों में कठिनाई हो रही है।

सोंगख्ला में मौतें अचानक बढ़ीं

सरकारी प्रवक्ता श्रीपोंग अंग्कासाकुलकियत ने बताया कि केवल सोंगख्ला में मौतों का आंकड़ा छह से बढ़कर 55 हो गया है।

इसके साथ ही सात प्रांतों में कुल मृतकों की संख्या कम से कम 82 हो गई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि गुरुवार शाम तक सभी इलाकों में नदी का पानी अपने तटबंधों से नीचे आ जाएगा।

यूएस में होने वाली जी20 बैठक से बाहर हुआ द. अफ्रीका

केपटाउन। रामाफोसा ने कहा कि इस साल दक्षिण अफ्रीका की ओर से आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन सबसे सफल सम्मेलनों में से एक रहा और इसके जरिए दुनिया की सबसे गंभीर चुनौतियों का हल निकालने में बहुपक्षवाद की मजबूती और प्रासंगिकता दोहराई गई।

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान का विरोध किया है, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति ने साल 2026 में मयामी में होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन के लिए उनके देश को आमंत्रित नहीं किए जाने की बात कही थी। रामाफोसा ने दक्षिण अफ्रीका को जी20 सम्मेलन से बाहर रखने के ट्रंप के फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि उनके और उनकी सरकार की बार-बार कोशिशों के बावजूद राष्ट्रपति ट्रंप दक्षिण अफ्रीका के बारे में भ्रामक सूचनाओं और गलत तथ्यों के आधार पर सजा देने वाले कदम उठाते रहे हैं।

रूस में आठ लोगों को मृत्युदंड, अदालत ने क्रीमिया पुल पर विस्फोट के मामले में ठहराया दोषी

मॉस्को। रूस की एक अदालत ने क्रीमिया को मॉस्को से जोड़ने वाले पुल पर हमले के आरोप में आठ लोगों को मौत की सजा सुनाई है। इन लोगों पर हमले में शामिल होने का आरोप था।

रूस की एक अदालत ने गुरुवार को आठ लोगों को आतंकवाद के आरोपों में दोषी ठहराया। ये सभी लोग कथित तौर परर कब्जे वाले क्रीमिया क्षेत्र को मॉस्को से जोड़ने वाले पुल पर हमले शामिल थे। यह पुल यूक्रेन युद्ध में रूसी सेना के लिए एक अहम आपूर्ति मार्ग है। अदालत ने सभी लोगों मृत्युदंड की सजा सुनाई है।

अक्तूबर 2022 में यह हमला हुआ था। एक ट्रक में बम फटने से पुल के दो हिस्से टूट गए थे और उनकी मरम्मत में कई महीने लगे थे। धमाके में ट्रक चालक और पास की कार में बैठे चार अन्य लोगों की मौत हो गई थी। रूस ने इसे आतंकवादी हमला करार दिया था और इसके जवाब में यूक्रेन की सार्वजनिक संपत्ति पर बमबारी शुरू की, खासकर सर्दियों में

देश की बिजली प्रणाली को निशाना बनाया गया।

यूक्रेन की सुरक्षा सेवा ने ली थी हमले की जिम्मेदारी

यूक्रेन की सुरक्षा सेवा एसबीयू ने इस हमले की जिम्मेदारी ली थी। रूसी, यूक्रेनी और आर्मेनियाई नागरिकों सहित आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया था। पांच अन्य लोगों पर अदालत में गैरहाजिर रहते हुए आरोप लगाए गए। इन में तीन यूक्रेनी और दो जॉर्जियाई नागरिक शामिल थे।

आरत्योम और जॉर्जी अजत्यान, ओलेग एंटिपोव, अलेक्जेंडर बिलिन, व्लादिमीर जलोबा, दिमित्री त्याजेलिख, रोमन सोलोम्को और आर्तुर तेर्चान्यान पर आतंकवादी हमला करने और अवैध हथियार तस्करी के आरोप लगे। सोलोम्को और तेर्चान्यान पर विस्फोटक तस्करी के अतिरिक्त आरोप भी लगाए गए। रूसी अधिकारियों ने उन पर यूक्रेन की मदद से यह हमला करने का आरोप लगाया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, गिरफ्तार सभी लोगों ने आरोपों से इनकार किया और कहा कि उन्हें नहीं पता था कि ट्रक में विस्फोटक भरा था। एसबीयू प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल वासिल मलियुक ने 2023 के एक इंटरव्यू में कहा था कि उन्होंने दो विश्वसनीय सहयोगियों के साथ मिलकर इस हमले की तैयारी की थी और इसमें अन्य लोगों का इस्तेमाल बिना उनकी जानकारी के किया गया।

यूक्रेन की सीमा से करीब 100 किलोमीटर दूर रूस के शहर रोस्तोव-ऑन-डॉन में फरवरी 2025 से एक सैन्य अदालत में इस मामले की सुनवाई बंद कमरे में शुरू हुई।

'लिव-इन रिश्ते का नतीजा है नूर मुकद्दम की हत्या'

चर्चित हत्याकांड में अदालत की चौंकाने वाली टिप्पणी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के चर्चित नूर मुकादम हत्याकांड में अदालत ने चौंकाने वाली टिप्पणी की है। दरअसल पाकिस्तान के संघीय सांविधानिक अदालत के जज अली बाबर नजाफी ने कहा कि नूर मुकादम की हत्या समाज में बढ़ रहे लिव इन रिलेशनशिप संस्कृति का नतीजा है।

जज ने लिव–इन रिलेशनशिप को ठहराया जिम्मेदार

बुधवार को सुनवाई के दौरान जज ने कहा कि रूढ़िवादी देश में लिव इन रिलेशन के मामले बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। लिव इन रिश्ते में दो युवा बिना शादी के साथ-साथ रहते हैं। नूर मुकादम (27

नूर मुकादम को कई दिनों तक घर में बंधक बनाकर रखा गया और उसके साथ दुष्कर्म किया गया। बाद में गला रेतकर उसकी हत्या कर दी गई थी। इस घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया गया था।

वर्षीय) की जुलाई 2021 में राजधानी इस्लामाबाद के एक पॉश इलाके में स्थित घर में बेरहमी से हत्या कर दी गई थी।

हत्या का आरोपी जहीर जाकिर जाफर पाकिस्तान के एक शीर्ष उद्योगपति का बेटा है। नूर मुकादम को कई दिनों तक घर में बंधक बनाकर रखा गया और उसके साथ दुष्कर्म किया गया। बाद में गला रेतकर उसकी हत्या कर दी गई थी। इस घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया गया था।

पाकिस्तान की अदालत ने इस मामले में आरोपी जाकिर को दोषी ठहराते हुए उसे मौत की सजा सुनाई थी। इस आदेश के खिलाफ जाकिर ने बीते महीने पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। सुनवाई के दौरान जज ने कहा कि लिव इन रिलेशनशिप सामाजिक वर्जनाओं को तोड़ रहे हैं और साथ ही देश का कानून के साथ ही शरिया कानून का भी उल्लंघन कर रहे हैं।

सोयूज रॉकेट से नासा और रूसी अंतरिक्ष यात्रियों की सफल लॉन्चिंग

मॉस्को। अंतरिक्ष के नए अध्याय में अमेरिका और रूस की संयुक्त टीम गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए सफलतापूर्वक रवाना हुई। नासा के अंतरिक्ष यात्री क्रिस विलियम्स और रूस के दो अनुभवी कॉस्मोनॉट सेर्गेई मिकायेव और सेर्गेई कुद-स्वेर्चकोव ने कजाखस्तान के बैकोनूर कॉस्मोड्रोम से सोयूज रॉकेट में उड़ान भरी।

उड़ान के बाद मिशन कंट्रोल ने पुष्टि की कि सोयूज टर-28 निर्धारित मार्ग पर आगे बढ़ रहा है और सभी तीनों सदस्यों की स्वास्थ्य स्थिति सामान्य है। यह प्रक्षेपण ऐसे समय में हुआ है जब वैश्विक तनावों के बीच भी अमेरिका और रूस वैज्ञानिक सहयोग को अंतरिक्ष में बनाए रख रहे हैं।

अंतरिक्ष में बिताएंगे आठ महीने

टीम लगभग आठ महीने आईएसएस पर बिताएगी, जहां वे वैज्ञानिक प्रयोग, माइक्रोग्रैविटी अनुसंधान और स्टेशन रखरखाव से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों को अंजाम देंगे।

मिशन का उद्देश्य पृथ्वी के वातावरण, जैविक प्रक्रियाओं और दीर्घकालिक मानव अंतरिक्ष यात्रा के प्रभावों का अध्ययन जारी रखना है।

लॉन्च के तीन घंटे बाद डॉकिंग संभवः सोयूज टर-28 का स्टेशन से डॉकिंग का समय लॉन्च के करीब तीन घंटे बाद तय किया गया है, जिससे यह उन तेज मिशनों में शामिल हो जाता है जो आईएसएस तक की यात्रा अवधि को कम करने के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए हैं। इस सफल लॉन्च ने एक बार फिर यह साबित किया है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अंतरिक्ष विज्ञान का सहयोग भू-राजनीतिक चुनौतियों से ऊपर उठकर आगे बढ़ रहा है।

अंतरिक्ष स्टेशन का भरोसेमंद वाहन है सोयूजः रूस का सोयूज अंतरिक्ष कार्यक्रम दुनिया के सबसे भरोसेमंद मानव अंतरिक्ष उड़ान प्रणालियों में गिना जाता है। इसमें यात्रा करने वाले रूसी सदस्यों को कॉस्मोनॉट और अमेरिका, यूरोप, कनाडा व जापान के सदस्यों को अंतरिक्ष यात्री कहा जाता है। सोयूज का मुख्य उपयोग अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशननतक कॉस्मोनॉट और अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित ले जाना और वापस लाना है।

इस यान में तीन लोगों के बैठने की क्षमता होती है। यही कारण है कि सिर्फ तीन अंतरिक्ष यात्री ही मिशन पर जा रहे हैं। यह न सिर्फ यात्री बल्कि भोजन, पानी और अन्य जरूरी आपूर्ति भी स्टेशन तक पहुंचाता है। खास बात यह है कि आईएसएस से कम से कम एक सोयूज हमेशा जुड़ा रहता है, ताकि किसी आपातस्थिति में यह लाइफबोट की तरह काम कर सके और पूरी टीम को सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस ला सके।

अमेरिका-रूस की संयुक्त अंतरिक्ष टीम ने सोयूज टर-28 रॉकेट से कजाकिस्तान के बैकोनूर सेंटर से उड़ान भरकर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए प्रस्थान किया। ये यात्री करीब आठ महीने आईएसएस पर वैज्ञानिक प्रयोग और स्टेशन संचालन संबंधी कार्य करेंगे।

कैसे बना होता है सोयूज?

सोयूज दो मुख्य हिस्सों से बना होता है सोयूज कैप्सूल और सोयूज रॉकेट। कैप्सूल रॉकेट के शीर्ष पर स्थित होता है और स्वयं तीन मॉड्यूल में विभाजित है। पहला मॉड्यूल है ऑर्बिटल मॉड्यूल, जो एक बड़े वैन के आकार का होता है और कक्षा में रहने के दौरान क्रू का रहने का स्थान बनता है। यह स्टेशन से जुड़ने की क्षमता भी रखता है। दूसरा हिस्सा है डिसेंट मॉड्यूल, जिसमें बैठे हुए ही क्रू आईएसएस की ओर प्रक्षेपण और पृथ्वी पर वापसी करता है। तीसरा मॉड्यूल जीवन–समर्थन प्रणालियों का केंद्र है, जिसमें बैटरियां, सौर पैनल और दिशा नियंत्रक इंजन शामिल होते हैं।

'अदियाला जेल में इमरान पूरी तरह स्वस्थ'

अफवाहों के बीच जेल प्रशासन ने दी सफाई

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की सेहत को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही अफवाहों के बीच अदियाला जेल प्रशासन ने साफ किया है कि खान पूरी तरह स्वस्थ हैं। गुरुवार को जारी बयान में अधिकारियों ने सोशल मीडिया पर फैली मौत और बिगड़ी सेहत की खबरों को सिरे से खारिज किया। प्रशासन का कहना है कि खान को जेल में सभी आवश्यक सुविधाएं और चिकित्सकीय देखभाल उपलब्ध कराई जा रही है।

इमरान खान अगस्त 2023 से कई मामलों में अदियाला जेल में बंद हैं। बीते कुछ दिनों से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उनकी सेहत को लेकर अपुष्ट दावे फैल रहे थे, जिनमें कुछ विदेशी मीडिया रिपोर्ट्स भी शामिल थीं। ह्वेयर इज इमरान खान ?ह्ल ट्रेंड के बीच जेल प्रशासन ने कहा कि खान न केवल सुरक्षित हैं बल्कि जेल परिसर में ही मौजूद हैं।

किसी भी तरह के तबादले की खबर पूरी तरह गलत है।

सोशल मीडिया अफवाहों पर जेल प्रशासन की सफाई

जेल प्रशासन ने कहा कि इमरान खान के स्वास्थ्य को लेकर फैल रही अफवाहों में कोई तथ्य नहीं है। इन दावों के बीच प्रशासन ने स्पष्ट किया कि खान को जेल के भीतर उचित सुविधाएं मिल रही हैं और उनकी सेहत पर लगातार नजर रखी जा रही है। प्रशासन ने यह भी बताया कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) नेतृत्व को नियमित रूप से खान की सेहत की जानकारी दी जा रही है।

दियाला जेल प्रशासन ने सोशल मीडिया पर फैली इमरान खान की मौत और बीमारी की अफवाहों को खारिज करते हुए कहा कि वह पूरी तरह स्वस्थ हैं।

इमरान खान की तीनों बहनें छह सप्ताह से उनके साथ मुलाकात नहीं कर पाई हैं, जिसके चलते परिवार ने खान की सुरक्षा और मौजूदगी पर सवाल उठाए हैं। पीटीआई ने मांग की है कि सरकार बिना देरी किए इमरान खान और उनके परिवार के बीच मुलाकात सुनिश्चित करे और किसी भी अनौपचारिक प्रतिबंध को हटाए।

पीटीआई की सरकार से बयान की मांगः पीटीआई ने सरकार और गृह मंत्रालय से स्पष्ट और आधिकारिक बयान जारी करने की मांग की है। पार्टी का कहना है कि अफवाहें संवेदनशील प्रकृति की हैं और इन्हें फैलाने वालों की जांच होनी चाहिए।

गाजियाबाद नगर निगम
Ghaziabad Nagar Nigam
(ISO 9001, 14001 व 18001 प्रमाणित संस्था)
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण
GHAZIABAD DEVELOPMENT AUTHORITY
غازی آباد ڈویلپمنٹ اتھارٹی

जननायक शहीद स्वर्गीय प्यारेलाल शर्मा को दी गई श्रद्धांजलि

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। पूर्व विधायक जन नायक शहीद स्वर्गीय प्यारे लाल शर्मा के 47वें शहीद दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी उनके पुत्र पूर्व विधायक सुरेन्द्र कुमार मुन्नी ने इस कार्यक्रम का आयोजन किया। शहीद प्यारेलाल शर्मा जन विकास परिषद के तत्वाधान में शहीद प्यारे लाल शर्मा पार्क में पूर्व विधायक जन नायक शहीद स्वर्गीय प्यारे लाल शर्मा की मूर्ति पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किये गये। समाज के सभी वर्गों के लोगों और राजनेताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अपने विचार व्यक्त किये।

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि मैं एक बात बताना चाहता हूं एकदम श्योर? भला हो जायेगा हमारी गाजियाबाद की भगवा बहनों का? अगर वो लगायें थोड़ा और अपनी राजनीति में जोर? उनको भी मिल जायेगी बड़ी जिम्मेदारी? जैसी खिला रही है पार्टी हापुड़ में महिला चेहरे को अध्यक्ष वाली पारी? कहने वाले ने कहा जब मेहनत करते हुए देखते हैं हम बहनों को? जब उन्हें नहीं मिलता है कुछ, तब हो जाता है हमारा दिल भारी?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि हम थे एक शादी कार्यक्रम में मौजूद? यहां पर नजर आ रहा था हमें ताकतवर लेडी जनप्रतिनिधि और एक विधायक का वजूद? हमने देखा दोनों एक दूसरे के सामने खड़े थे श्रीमान? मगर नहीं हुई दोनों के बीच में बिल्कुल भी राम–राम? कहने वाले ने कहा राजनीति में हमनें यूं तो देखी हैं बहुत दूरियां? मगर ऐसा नहीं देखा दूरियों वाला पैगाम?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि अगर पार्टी दो दिन बाद अध्यक्षों की सूची जारी करती तो क्या चला जाता? पूर्व हो चुके एक अध्यक्ष के यहां पर होना था बड़ा आयोजन? अगर वो वर्तमान रहते तो ये आयोजन और खास हो जाता? मगर जो भी हो रखना और हटाना पार्टी की है रीत? जो भी सोचा होगा वो ऊपर वालों ने किया होगा ठीक?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि हम थे मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में मौजूद श्रीमान? ऐसे प्रोग्रामों में मंच पर होने वाले संबोधन पर हम विशेष रूप से लगाकर रखते हैं कान? हमने सुना कि यहां पर सीएम साहब ने मंच पर मौजूद एक बड़े चेहरे का नहीं लिया नाम? इस नाम ना लेने की चर्चा बाहर तक सुनाई दे रही थी श्रीमान? कहने वाले ने कहा अब छोड़ो जो हुए हालात? बड़े–बड़े देशों में होती रहती है छोटी–छोटी बात?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि हम जब जा रहे थे मुरादनगर के रास्तों से सीएम के कार्यक्रम में होने के लिए शामिल? तब हमारी निगाहों ने कुछ टटोला खास? हमने देखा बड़े नेता ने लगवाये थे बहुत ज्यादा होर्डिंग्स? जिसमें नहीं दिया गया था भगवा योद्धा के फोटो को स्थान? हमने बार–बार अपनी आंखों को रगड़ा? ताकि गलत हो जाये हमारा विश्वास? फिर रगड़ती हुई आंखों से हुई जो रोशनी पास? हमने देखा इन होर्डिंग पर देने वाले ने दिया हुआ था जिले के योद्धा को स्थान खास?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवा केडी भैया को पसंद आता है ठाकुरों का साथ? पहले उनके जनरली साहब के साथ दीदार होते थे अब वो नजर आते हैं तोमर जी के साथ? मुरादनगर वाले रास्ते पर लगे होर्डिंग पर हमें हुए कुछ इसी तरह के दीदार? कहने वाले ने कहा चुनावों की ऋतु पास आ रही है? अब आपको इसी तरह के दिखाई देंगे प्रचार?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवा डॉक्टर नागर साहब खूब करते हैं पार्टी के लिए काम? मगर अभी तक उन्हें नहीं मिला है बड़ा वाला मुकाम? सुना है इस बार एमएलसी चुनाव को लेकर बदला है उन्होंने गियर? पहले वो शिक्षक वाले फार्मेट की तैयारी कर रहे थे? अब चढ़ाया है उन्होंने स्नातक वाला गियर? देखना अब ये है कि इस बार वो पहुंच पायेंगे या नहीं पहुंच पायेंगे टिकट के नियर?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि हम इस सवाल के माध्यम से शहर वालों तक पहुंचाना चाहते हैं अपनी बात? शानदार कवि सम्मेलन कराने वाले विभु भैया खामोशी से अपनी दस्तक दे रहे हैं साहब? पी चुके हैं वो लाईन पार में ओबीसी चेहरे के यहां पर दो बार चाय? अब ये ओबीसी चेहरे कौन है वो खुद ही समझ जायें?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि आज भी कायम हैं कुल में दीप जलाने वाले त्यागी चेहरे के ऊपर शाही आशीर्वाद? इस आशीर्वाद का हमने देखा बृहस्पतिवार को स्वाद? पार्टी के बड़े चेहरे देने पहुंचे थे विशेष रूप से त्यागी चेहरे को आशीर्वाद? कहने वाले ने कहा अभी इनके गेम में काफी कुछ बचा है? थोड़ा सब्र तो करिए आप?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि एक कार्यक्रम में देखते ही बन रहा था नजारा? जब कार्यक्रम की उद्घोषिका ने इन चेहरे को मेयर कहकर पुकारा? फिर जिस चेहरे को कहकर पुकारा था मेयर? उन्होंने किया उद्घोषिका को करेक्ट? सुना है वहां तो बात इन्होंने संभाल ली? मगर ये बाहर जितने भी आयोजनों में गये वहां पर दिखाई दिये इस बात के इफैक्ट?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

मेक इन इंडिया के तहत बुद्ध प्रतिमा का भव्य अनावरण

असीम अरुण ने किया उद्घाटन

शालीमार गार्डन स्थित महाराणा प्रताप वाटिका के मुख्य द्वार पर स्थापित की गई प्रतिमा

गाजियाबाद, करंट क्राइम। शालीमार गार्डन, वार्ड 78 में मेक इन इंडिया के अंतर्गत स्थापित सौंदर्यकरण चिह्न भगवान बुद्ध की प्रतिमा का भव्य अनावरण बुधवार को उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री एवं गाजियाबाद प्रभारी मंत्री असीम अरुण द्वारा किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व महानगर महामंत्री पप्पू पहलवान ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सहो बैंड के वंदे मातरम गायन तथा मुख्य अतिथि के सम्मान में दशमेश पब्लिक स्कूल के बच्चों द्वारा स्वागत गीत से हुआ।

सनातन पहचान और सौंदर्यकरण का संगम

करंट क्राइम। महाराणा प्रताप वाटिका के मुख्य द्वार पर स्थापित हुई बुद्ध प्रतिमा को जहाँ सौंदर्यकरण का प्रतीक माना जा रहा है, वहीं इसे सनातन परंपरा की गहराई से जुड़ी पहचान के रूप में भी देखा जा रहा है। भगवान विष्णु के नौवें अवतार माने जाने वाले बुद्ध की प्रतिमा से क्षेत्र के निवासी गर्व और आनंद का अनुभव कर रहे हैं। महानगर महामंत्री पप्पू पहलवान और क्षेत्रीय पार्षद ओमवती देवी द्वारा विकास कार्यों के साथ–साथ आध्यात्मिक वातावरण को भी सशक्त बनाने के प्रयासों की स्थानीय निवासियों ने सराहना की और हृदय से आभार व्यक्त किया।

महिला शक्ति से उपस्थित रहीं–

करंट क्राइम। अंजलि तंवर, गुड्डी, स्मृति सिंह, सेमी देवी, लक्ष्मी, पूजा, मंजू, संतोष, बिना रावत, रजनी, महेश्वरी, बृजेश, सीमा, अनीता राणा, निशा चौहान, नीरू गुप्ता, रूबी, किरण, रुचि रस्तोगी, अनामिका सिंह सहित अनेक महिलाएँ।

स्थानीय संस्थाओं और समाजिक संगठनों की सहभागिता

करंट क्राइम। इस अवसर पर महाराणा प्रताप नागरिक कल्याण समिति, विभिन्न प्रादेशिक समाजों—उत्तरांचल समाज, कश्मीरी समाज, बंगाली समाज, पूर्वांचल समाज, सिख समाज, हिमाचली समाज, पश्चिमी उत्तर प्रदेश समाज—आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों और समाधान शक्ति सामाजिक संस्था के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में मौजूद प्रमुख नागरिकों में शामिल रहे–

करंट क्राइम। विनोद कुमार सिंह, प्रमोद शर्मा, योगराज शर्मा, डी.एन. कौल, ऋषि पाल गोयल, जगदीश सती, प्रभाकर गुप्ता, भूषण लाल टिंग्लू, जितेंद्र कुमार सिंह, भूपेंद्र गोस्वामी, बिट्टू कसाना, प्रेम त्यागी, लेख राज, प्रमोद कुमार, श्याम शर्मा, राजीव गुप्ता, शैलेंद्र सक्सेना, केशव सक्सेना, शरद सक्सेना, अभिषेक श्रीवास्तव, कृष्णपाल मावी, मयंक देव, प्रियंका राजेश कुमार, सुनील शर्मा, शत्रुघ्न लाल, भगत जी, एस.के. भसीन, मनोज मिश्रा, संजीव वर्मा, कुशल वर्मा, बिजेंदर राठी, प्रतीक माथुर आदि।

आईएएस संतोष वर्मा के 'विवादित बयान' पर बवाल

ब्राह्मण महासभा ने की बर्खास्तगी की मांग, दी आंदोलन की चेतावनी

गाजियाबाद/भोपाल, करंट क्राइम। मध्य प्रदेश एससी–एसटी अधिकारी कर्मचारी संगठन (अजाक्स) के प्रांतीय अध्यक्ष और वरिष्ठ आईएएस अधिकारी श्री संतोष वर्मा द्वारा दिए गए एक कथित आपत्तिजनक बयान को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। गाजियाबाद स्थित अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा ने इस बयान की घोर निंदा करते हुए उनके विरुद्ध कड़ी कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाई की मांग की है।

क्या है पूरा मामला?

ज्ञापन के अनुसार, श्री संतोष वर्मा ने दिनांक 25 नवम्बर 2025 को अजाक्स के प्रांतीय अधिवेशन में अपने संबोधन के दौरान कहा था, जब तक मेरे बेटे को कोई ब्राह्मण अपनी बेटी दान न कर दे या उससे सम्बन्ध न बना दे तब तक आरक्षण मिलना चाहिए। ब्राह्मण महासभा ने आरोप लगाया है कि यह बयान ब्राह्मण समाज की बेटियों का अपमान है और एक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में यह समाज में शांति और सद्भाव स्थापित करने के उनके कर्तव्य का उल्लंघन है, बल्कि यह विघटन और अराजकता फैलाने वाला है।

कड़ी कार्रवाई की मांग

संगठन के मुख्य संरक्षक पं. जे.के. गौड़, जिलाध्यक्ष पं. जयनन्द शर्मा, और महानगर अध्यक्ष पं. सुभाष शर्मा सहित समस्त पदाधिकारियों ने इस संबंध में उच्चाधिकारियों को एक ज्ञापन सौंपा है।

ज्ञापन में निम्नलिखित तत्काल कार्रवाई की मांग की गई है :

वर्मा को उनके पद से अविलम्ब बर्खास्त किया जाए। उनके विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धारा 196 (समूहों के बीच शत्रुता को बढ़ावा देना) और 197 (धार्मिक भावनाओं को आहत करना) के अंतर्गत कानूनी कार्यवाही की जाए।

आंदोलन की चेतावनी : महासभा ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि श्री वर्मा के खिलाफ अविलम्ब कार्रवाई नहीं की जाती है, तो अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा आंदोलन करने के लिए विवश होगी। अविवेकपूर्ण एवं अमर्यादितर बयान के लिए जिम्मेदार अधिकारी के विरुद्ध शीघ्र ही उचित कदम उठाएगी।

आईटीएस मोहन नगर में वेस्ट मैनेजमेंट एवं सेग्रिगेशन पर कार्यशाला का आयोजन

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। आईटीएस मोहन नगर के यूजी कैंपस में मास मीडिया एवं कम्यूनिकेशन क्लब की ओर से वेस्ट मैनेजमेंट एवं सेग्रिगेशन विषय पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। ग्रुप के वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने कहा कि ऐसी कार्यशाला निरंतर होती रहनी चाहिए। सभी उपस्थित छात्रों को स्वच्छता, पर्यावरण, सतत विकास को ध्यान में रख कर अपने जीवन में आगे बढ़ते रहना चाहिए। यूजी कैंपस की प्राचार्या डॉ. नैन्सी शर्मा ने अतिथि वक्ताओं का मोमेंटो और गुड लक प्लांट देकर स्वागत किया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता सेव मदर अर्थ मिशन के सह–संस्थापक श्याम तायल ने कचरा प्रबंधन की प्रक्रिया, पर्यावरण प्रदूषण की चुनौतियों और स्वच्छता में छोटे–छोटे प्रयासों की बड़ी भूमिका पर विस्तृत चर्चा की। कार्यशाला का मुख्य आकर्षण हैंड्स–ऑन डेमो रहा, जिसमें सुश्री तनु ने छात्रों को प्लास्टिक और फेंके हुए सामान से उपयोगी और रचनात्मक वस्तुएँ बनाने का प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम में डीन अकादमिक डॉ. विदूषी सिंह, क्लब संयोजक डॉ. मोनिका शर्मा, प्रो. रमा रानी मिश्रा तथा डॉ. नीरज जैन, प्रो अमित शर्मा, संकाय सदस्य एवं छात्र उपस्थित रहे।

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 : जिला निर्वाचन अधिकारी ने बैठक में दिया स्पष्ट संदेश – 'गणना प्रपत्र भरना अनिवार्य, लापरवाही बर्दाश्त नहीं'

राजनीतिक दलों, सोसाइटी संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं से व्यापक सहयोग की उम्मीद

हाईराइज इलाकों पर विशेष फोकस

गाजियाबाद, करंट क्राइम। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 को सफल बनाने के लिए बुधवार को कलैक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार में जिला निर्वाचन अधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ की अध्यक्षता में राजनैतिक दलों की महत्त्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में भाजपा, बसपा, सपा, कांग्रेस और सीपीआई (एम) के प्रतिनिधि मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने बेहद साफ संदेश देते हुए कहा–गणना प्रपत्र भरना हर मतदाता की जिम्मेदारी है। इसे हल्के में न लें। बीएलए और बीएलओ एक-दूसरे का सहयोग करें, तभी पुनरीक्षण कार्य समय पर पूरा होगा।

हाईराइज सोसायटियों में सबसे ज्यादा चुनौती– पुराने पते पर पंजीकरण, नए पते पर निवास

करंट क्राइम। बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि गाजियाबाद शहरी स्वरूप और लगातार स्थानांतरण के कारण कई मतदाता पुराने पते पर पंजीकृत होकर नई जगह शिफ्ट हो चुके हैं। इस कारण कई गणना प्रपत्र मतदाताओं तक पहुँच ही नहीं पाते। वसुन्धरा, वैशाली और इंदिरापुरम जैसे हाईराइज इलाकों में यह समस्या सबसे अधिक है।

जिलाधिकारी ने सोसाइटी एसोसिएशन, एनजीओ, सामाजिक कार्यकर्ताओं और मीडिया से अपील करते हुए कहा—जहाँ मतदाता उपलब्ध नहीं हो पा रहे, वहाँ बीएलए तुरंत सक्रिय हों और बीएलओ तक भरे हुए फॉर्म पहुँचवाएँ।

गंभीर मतदाता सूची सुधार : मृत, डुप्लीकेट और मिसिंग वोटरों की सूची भी बनेगी। जिलाधिकारी के अनुसार बीएलओ उन वोटरों की सूची तैयार कर रहे हैं जो–

- स्थायी रूप से बाहर चले गए हैं।
- मृत हैं।
- डुप्लीकेट हैं।
- या लंबे समय से मिसिंग हैं।

इन सूचियों को मतदेय स्थलों पर चस्पां किया जाएगा और राजनैतिक दलों से भी साझा किया जाएगा ताकि सत्यापन आसानी से हो सके।

बीएलओ और बीएलए की फील्ड टीमों की सक्रियता पर जोर

करंट क्राइम। राजनैतिक दलों से कहा गया कि वे सभी ब्लॉकों में अपने–अपने बीएलए को सक्रिय रूप से मैदान में उतारें, ताकि एसआईआर का कार्य तेजी से आगे बढ़ सके। उप जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ भट्ट ने जानकारी दी कि 55–साहिबाबाद विधानसभा में प्रगति तेज करने के लिए 40 पर्यवेक्षण अधिकारी नियुक्त किए गए हैं।

जिलाधिकारी का औचक निरीक्षण — मतदाताओं ने कहा : बीएलओ सही जानकारी दे रहे हैं

करंट क्राइम। बैठक के बाद जिलाधिकारी ने इंदिरापुरम, आईटीएस सहित कई स्थानों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने बीएलओ से सीधे फील्ड अपडेट लिए और मौजूद मतदाताओं से बातचीत भी की। मतदाताओं ने बताया कि बीएलओ सही तरीके से सभी जानकारी दे रहे हैं और प्रक्रिया सरल है। जिलाधिकारी ने सभी से अपील दोहराई—फॉर्म तुरंत भरकर जमा कराएँ, ताकि पुनरीक्षण कार्य समय पर पूरा हो सके।

चिन्टू जी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।